वर्ष : 17 ❖ अंक : 58 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

# अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 29 सितम्बर 2022

सबसे पहले आरएसएस को बैन करिए : लालू प्रसाद 8 | राम भारत के कण-कण में समाये हुए हैं : पीएम मोदी 3

# सीएम गोले ने 2500 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 28 सितम्बर । आज सिक्किम के 2500 से ज्यादा युवा अपना भविष्य तय करते हुए बेरोजगारी से सरकारी कर्मचारियों में तब्दील हुए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने आज मनन केंद्र में एक कार्यक्रम आयोजित कर 2500 से अधिक युवाओं को विभिन्न पदों पर अस्थायी नियुक्ति पत्र सौंपे। राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) आज इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि उनकी पत्नी कृष्णा राई, मंत्री संजीत खरेल, विधायक आदित्य गोले और अन्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री गोले ने तीन विशेष घोषणाएं कीं, जिसमें प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाली आशा कार्यकर्ताओं के वेतन में दशहरे के उपहार के रूप वृद्धि करते हुए प्रतिमाह 10 हजार रुपये प्रदान करने, प्रदेश में बढ़ती पथरी की समस्या को ध्यान में रखते हुए हर महीने पथरी निकालने के लिए आपरेशन शिविर लगाने और किडनी व कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित गरीबों को नि:शुल्क दवा उपलब्ध कराने के लिए न्यू एसटीएनएम अस्पताल में गरीब दवाई केंद्र स्थापित करना शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने आज नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी लोगों से अपने दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी से गरीब लोगों की सेवा के लिए अपने पद का उपयोग करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद से अब तक सिक्किम में 10,000 से ज्यादा गरीब युवाओं को नौकरी दी गई है और यह सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि सोए हुए व्यक्ति को जगाना आसान है लेकिन सोने का बहाना करने वाले को नहीं जगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कुछ संकीर्ण सोच वाले लोगों की प्रतिक्रिया से उनका काम नहीं रुकेगा। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि आज जारी किए गए सभी नियुक्ति पत्र वैध हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार सिक्किम के गरीबों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नौकरी दे रही है और पिछली सरकार की तरह चुनाव आने पर ही नियुक्ति पत्र नहीं दे रही है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सरकार पार्टी के आधार पर भेदभाव किए बिना युवाओं को रोजगार दे रही है। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी गरीबी के दिन याद हैं इसलिए पूरे सिक्किम में गरीब लोगों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री गोले ने कई उदाहरण पेश किए और बताया कि सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की सरकार

## सिक्किम के लोगों के हित की तीन बड़ी घोषणाएं

कोविड महामारी के बीच भी स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने राज्य में दवा खरीदने के लिए सिर्फ 17 करोड़ रुपये रखे थे, लेकिन मौजूदा सरकार ने इसे बढ़ाकर 40 करोड़ कर दिया है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि किडनी प्रत्यारोपण कराने वालों को 5 लाख रुपये, लीवर प्रत्यारोपण के लिए 10 लाख रुपये और फेफड़े के प्रत्यारोपण के लिए 20 लाख रुपये की आर्थिक मदद सरकार की ओर से की जा रही है।



मुख्यमंत्री गोले ने राज्य के कुछ डॉक्टरों को लेकर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें अपना काम पूरी ईमानदारी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह स्वयं स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं, लेकिन कुछ डॉक्टरों की लापरवाही ( शेष पृष्ठ ०३ पर )

# कानूनी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित



**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 28 सितम्बर । सिक्किम उच्च न्यायालय की न्यायाधीश जस्टिस मीनाक्षी मदन राई के निर्देशानुसार जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) गंगटोक द्वारा माइक्रो लीगल लिटरेसी कार्यक्रम के तहत तालुक कानूनी सेवा समिति के सहयोग से पिछले दिनों तादोंग बालिका निकेतन में एक कानूनी जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश श्रीमती केसी बारफुंग्पा, सिविल जज सह न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री जाम्यांग चोदेन भूटिया, सिंगताम जिला अस्पताल की मनोचिकित्सक डॉ. शीतल छेत्री, सिक्किम एसएलएसए की पैनल एडवोकेट सुश्री कमला गिरी और बालिका निकेतन बाल सुरक्षा संस्थान के निदेशक एसडी खांगसार्पा के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन कमला गिरी ने बाल सुरक्षा संस्थानों और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड की जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए जुवेनाइल जस्टिस केयर, संरक्षण, अधिनियम, बाल सुरक्षा सम्बंधित अधिकारों और अन्य विभिन्न योजनाओं से उपस्थित बच्चों को जानकारी दी। इसके अलावा डॉ. शीतल छेत्री ने विभिन्न विकलांगताओं तथा इसके कारणों के बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित किये जाने वाले विशेष जागरूकता शिविरों पर भी प्रकाश डाला।

वहीं डीएलएसए सचिव ने राज्य में नि:शुल्क कानूनी सहायता सेवाओं के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए पीड़ितों के लिए मुआवजा योजना, पॉक्सो अधिनियम और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के कार्यों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने बच्चों से अपने मौलिक अधिकारों के बारे में जागरूक रहने का भी आग्रह किया। इसके अलावा डीएलएसए, गंगटोक अध्यक्ष ने कानूनी जागरूकता कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों से इसका लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम का समापन एसडी खांगसार्पा के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

# प्लास्टिक कचरा एकत्र करने वालों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि



**अनुगामिनी का.सं.**

नामची, 28 सितम्बर । नामची नगर परिषद ने नामची को प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने की दिशा में तथा इसकी स्वच्छता बनाए रखने हेतु प्लास्टिक कचरा एकत्र करने वालों को 15 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार एनएमसी द्वारा यह कदम पूरे नामची शहर को प्लास्टिक कचरे से मुक्त बनाने तथा स्वच्छता बनाए रखने हेतु गैर सरकारी संगठनों, स्वयंसेवी संगठनों प्रोत्साहित करने हेतु उठाया गया है। इस सम्बंध में एनएमसी द्वारा एक अधिसूचना जारी की गयी है।

अधिसूचना के में कहा गया है कि नगरपालिका क्षेत्र के सभी निवासियों को सूचित किया जाता है कि नामची नगर परिषद ने प्लास्टिक कचरा एकत्र करने वाले व्यक्ति को 15 रुपये प्रति किग्रा की दर से प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है। एकत्र किए गए कचरे को आगे की प्रक्रिया और प्लास्टिक कचरे के निपटान हेतु नगर परिषद कार्यालय को सौंपना होगा।

वहीं इसके अलावा अधिसूचना में सभी नागरिकों से अपने साथ पुन: उपयोग में लाये जा सकने वाले थैले ले जाने को भी कहा गया है। उल्लेखनीय है कि सिक्किम सरकार ने पहले ही पानी की बोतलों और अन्य प्लास्टिक उत्पादों की बिक्री को गैरकानूनी घोषित कर दिया है।

# पीएफआई पर प्रतिबंध का समर्थन नहीं किया जा सकता : ओवैसी

हैदराबाद, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्र द्वारा पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ऐतराज जताया है।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि उन्होंने हालांकि हमेशा पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के दृष्टिकोण का विरोध किया है, लेकिन कट्टरपंथी संगठन पर प्रतिबंध का समर्थन नहीं किया जा सकता।

सरकार ने कथित रूप से आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता और आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों से संबंध होने के कारण पीएफआई और उससे संबद्ध कई अन्य संगठनों पर बुधवार को पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया। इस बीच तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पीएफआई पर केंद्र के प्रतिबंध का स्वागत करते हुए कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा समय पर की गई कार्रवाई यह सुनिश्चित करेगी कि विभाजनकारी ताकतें सामाजिक संगठनों की आड़ में राष्ट्रीय नेटवर्क का निर्माण नहीं कर पाये।

ओवैसी ने कई ट्वीट में कहा, मैंने हमेशा पीएफआई के दृष्टिकोण का विरोध किया है और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण का समर्थन किया है, लेकिन पीएफआई पर प्रतिबंध का समर्थन नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, इस तरह का प्रतिबंध खतरनाक है क्योंकि यह किसी भी उस मुसलमान पर प्रतिबंध है जो अपने मन की बात कहना चाहता है। जिस तरह से भारत की चुनावी निरंकुशता फासीवाद के करीब पहुंच रही है, भारत के काले कानून गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत अब हर मुस्लिम युवा को पीएफआई पर्चे के साथ गिरफ्तार किया जाएगा।

तेलंगाना में भाजपा के मुख्य प्रवक्ता के। कृष्णा सागर राव ने आरोप लगाया कि गैर-भाजपा राज्य सरकारों ने वर्षों से अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की अपनी राजनीतिक मजबूरी के चलते पीएफआई जैसे खतरनाक संगठनों को राष्ट्रीय स्तर पर विकसित होने दिया है।

उन्होंने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार ही राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में पीएफआई और उससे जुड़े संगठनों पर प्रतिबंध लगाने जैसी निर्णायक कार्रवाई कर सकती है।

राव ने कहा, मोदी सरकार द्वारा समय पर की गई यह कार्रवाई इस बात को सुनिश्चित करेगी कि भारत में सांप्रदायिक और धार्मिक वैमनस्य पैदा करने संबंधी उनके घृणित एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विभाजनकारी ताकतें सामाजिक संगठनों की आड़ में राष्ट्रव्यापी नेटवर्क का निर्माण न करें।

# दिल्ली में यमुना के जलस्तर में गिरावट, पर अब भी खतरे के निशाने के ऊपर

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। हरियाणा द्वारा यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज से पानी का बहाव किए जाने के साथ ही दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 206 मीटर से भी ऊपर जाने के बाद अब घटने लगा है । अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि अगले दो से तीन दिन में यमुना का जलस्तर और कम होगा क्योंकि दिल्ली तथा नदी के जल संचय क्षेत्र में ज्यादा बारिश नहीं हो रही है।

दिल्ली में मंगलवार को यमुना में बाढ़ आ गई थी जिसके कारण निचले इलाकों में रहने वाले लगभग साढ़े छह हजार लोगों को निकालने के साथ ही पुराने यमुना पुल पर रेल यातायात निलंबित करना पड़ा था। नदी में सुबह सात बजे पानी का स्तर 206.59 मीटर तक बढ़ गया था जो कि खतरे के निशान (205.33 मीटर) से अधिक था और अगस्त 2019 के बाद से अब तक का सबसे ऊंचा स्तर था। नदी में पानी का स्तर सुबह आठ बजे घटकर 206.58 मीटर रह गया। इसके बाद अपराह्न तीन बजे यमुना के जलस्तर में और गिरावट आई तथा वह घटकर 206.41 मीटर पर आ गया।

केंद्रीय जल आयोग द्वारा जारी एक पूर्वानुमान में कहा गया है कि रात नौ बजे तक जल स्तर गिरकर 206.05 मीटर तक जाने का अनुमान है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्होंने नदी का जलस्तर सामान्य होने तक, निचले इलाकों में लोगों को उनके घरों में वापस जाने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में सिविल डिफेन्स कार्यकर्ताओं को तैनात किया है। दिल्ली के इन इलाकों में लगभग 37 हजार लोग रहते हैं।

पूर्वी दिल्ली के जिलाधिकारी अनिल बांका ने कहा, ज्यादातर लोग स्वयं सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। दिल्ली प्रशासन ने उनमें से लगभग साढ़े छह हजार को निकाला और उन्हें सामुदायिक केंद्रों, स्कूलों तथा अस्थायी शिविरों में भेज दिया गया है। अनिल बांका ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि दो से तीन दिनों में पानी सामान्य स्तर पर आ जाएगा। इसके बाद, ये लोग अपने स्थानों पर वापस जा सकते हैं।''

हालांकि, यमुना के किनारे की जमीन दिल्ली विकास प्राधिकरण, राजस्व विभाग और निजी व्यक्तियों की है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में नदी के आस-पास के मैदानों के एक बड़े हिस्से पर अतिक्रमण हुआ है। नदी के जल संचय क्षेत्र में 21 सितंबर से 25 सितंबर के बीच भारी बारिश के कारण, दिल्ली में नदी का जलस्तर सोमवार रात को खतरे के निशान (205.33 मीटर) से अधिक हो गया था और मंगलवार सुबह 206 मीटर से ज्यादा पर पहुंच गया था।

आम तौर पर यमुना में जुलाई या अगस्त के महीने में बाढ़ आती है जब मॉनसून के चलते अधिकतम वर्षा होती है। पिछले दो महीने में यह दूसरी बार है जब लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकाला जा रहा है। यमुना में 12 अगस्त को पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर गया था जिसके बाद निचले इलाकों से लगभग सात हजार लोगों को निकाला गया था। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में हथिनीकुंड बैराज से सुबह नौ बजे 25,400 क्यूसेक जल छोड़ा गया।

यह सोमवार को सुबह छह बजे 2,95,212 था जो कि इस साल अब तक का सबसे अधिक था। एक क्यूसेक का अर्थ है 28.32 लीटर जल प्रति सेकंड छोड़ा जाना। आम तौर पर हथिनीकुंड बैराज में प्रवाह दर 352 क्यूसेक होती है, लेकिन जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद पानी का बहाव बढ़ जाता है।

बैराज से छोड़े गए पानी को राष्ट्रीय राजधानी तक पहुंचने में आमतौर पर दो से तीन दिन लगते हैं। यमुना नदी प्रणाली के जलग्रहण क्षेत्र में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली के कुछ हिस्से शामिल हैं।

गौरतलब है कि 1978 में यमुना नदी का जलस्तर 207.49 मीटर के सर्वकालिक रिकॉर्ड तक पहुंच गया था। जबकि 2013 में यह बढ़कर 207.32 मीटर हो गया था।

# कारोबारी विजय नायर को 5 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के करीबी और कारोबारी विजय नायर को दिल्ली के आबकारी नीति घोटाले में पांच दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया है। विजय नायर को मंगलवार रात सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

आबकारी घोटाले में गिरफ्तार होने वाले नायर पहले व्यक्ति हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत को बताया कि उससे हिरासत में पूछताछ जरूरी है। नायर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने सीबीआई के कदम का विरोध करते हुए कहा कि उनके मुवक्किल जांच में शामिल हो गए हैं और सहयोग कर रहे हैं।

अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद नायर को पांच दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। एंटरटेनमेंट और इवेंट मैनेजमेंट फर्म ओनली मच लाउडर के पूर्व सीईओ और दिल्ली उत्पाद शुल्क घोटाले के प्रमुख संदिग्धों में से एक नायर लंदन गए थे। उनको जांच में शामिल होने के लिए लंदन से लौटते ही गिरफ्तार कर लिया गया।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि नायर वर्ष 2021-22 के लिए दिल्ली की जीएनसीटीडी की आबकारी नीति के निर्धारण और कार्यान्वयन में अनियमितताओं में सक्रिय रूप से शामिल थे। नायर कथित तौर पर दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के स्वयंसेवक थे जिन्होंने कई कार्यक्रम आयोजित करके पार्टी नेताओं की मदद की।

इंडोस्पिरिट्स के निदेशक समीर महेंद्रू ने नायर की ओर से सिसोदिया के एक सहयोगी अर्जुन पांडे को कथित तौर पर करीब 2 से 4 करोड़ रुपये का भुगतान किया। आरोप हैं कि हैदराबाद के कोकापेट निवासी अरुण रामचंद्र पिल्लई नायर के माध्यम से आरोपी लोक सेवकों को आगे भेजने के लिए महेंद्रू से आर्थिक फायदा उठाते थे।

# बैन के बाद पीएफआई हो सकता है बड़ा एक्शन, संपत्ति समेत बैंक खाते हो सकते हैं सीज

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। आतंकवाद रोधी कड़े कानून यूएपीए के तहत पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना के बाद संगठन के खिलाफ कई कार्रवाई की जाएंगी, जिनमें इसकी संपत्तियों को जब्त करना, बैंक खातों पर रोक लगाना और इसकी सामान्य गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना शामिल है।

सरकार ने कथित रूप से आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता और आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों से संबंध'' होने के कारण पीएफआई और उससे संबद्ध कई अन्य संगठनों पर कड़े आतंकवाद रोधी कानून के तहत पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। केन्द्र सरकार, संगठन को गैरकानूनी घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं, इस पर निर्णय के लिए अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर एक न्यायाधिकरण का भी रुख करेगी।

गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के अनुसार, यदि प्रतिबंधित समूह के किसी भी सदस्य के पास कोई धनराशि या प्रतिभूतियां हैं जिनका उपयोग किया जा रहा है या गैरकानूनी गतिविधि के लिए इसका उपयोग करने का इरादा है, तो केंद्र एक लिखित आदेश द्वारा ऐसे व्यक्ति को कोई भुगतान करने या धनराशि हस्तांतरित करने से रोक सकता है।

प्रतिबंध आदेशों से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति इस तरह के आदेश की तामील की तारीख से 14 दिनों के भीतर जिला न्यायाधीश की अदालत में आवेदन कर सकता है और यह साबित कर सकता है कि संपत्तियों का उपयोग किसी गैरकानूनी गतिविधि के लिए करने की कोई मंशा नहीं है। जिला न्यायाधीश की अदालत मामले पर फैसला करेगी। जब किसी संगठन को गैरकानूनी घोषित किया जाता है, तो केंद्र सरकार ऐसे 'स्थान' को कुर्क कर सकती है जिसमें एक घर या इमारत या उसका हिस्सा, या एक तम्बू शामिल है।

संगठन को गैरकानूनी घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं, इस पर निर्णय के लिए केन्द्र सरकार अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर एक न्यायाधिकरण का भी रुख करेगी। न्यायाधिकरण संगठन को इस तरह के नोटिस की तामील की तारीख से 30 दिनों के भीतर कारण बताने के लिए बुलाएगा कि संगठन को गैरकानूनी घोषित क्यों नहीं किया जाना चाहिए। संगठन या उसके पदाधिकारियों या सदस्यों द्वारा बताये गये कारणों पर विचार करने के बाद न्यायाधिकरण जांच करेगा। न्यायाधिकरण मामले पर जल्द से जल्द और किसी भी मामले में अधिसूचना जारी होने की तारीख से छह महीने के भीतर फैसला करेगा।

# नोटबंदी के खिलाफ सुनवाई स्थगित, सुप्रीम कोर्ट बोला- देखना होगा इसे सुनने की जरूरत है या नहीं

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। सरकार के नोटबंदी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंची याचिका पर सुनवाई 12 अक्टूबर तक के लिए स्थगित हो गई है।

कोर्ट का कहना है कि पहले यह जांच की जाएगी कि नोटबंदी को चुनौती दे रही याचिकाएं अकादमिक तो नहीं बन गई हैं। कोर्ट के अनुसार, यह भी पता लगाना होगा कि इसे सुना जा सकता है या नहीं। सरकार ने साल 2016 में नोटबंदी का ऐलान किया था।

बुधवार को जस्टिस एस अब्दुल नजीर, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना की संविधान बेंच 58 याचिकाओं पर विचार कर रही थी। ये याचिकाएं केंद्र सरकार के साल 2016 में लिए गए नोटबंदी के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस नजीर ने सवाल किया, 'क्या अब भी यह बचा है।' इसपर वकील ने जवाब दिया कि शीर्ष न्यायालय ने साल 2016 में कई मुद्दों की पहचान की थी और मामले को संविधान बेंच के पास भेज दिया था। उन्होंने बताया कि इस मामले पर उच्च न्यायालयों में सुनवाई पर रोक लगा दी थी। बाद में जस्टिस गवई की तरफ से भी इसी तरह का सवाल किया गया।

एक अन्य वकील ने कहा कि मामले के दो पहलु हैं। पहला कि इसमें सरकार के निर्णय की वैधता और लोगों की तरफ से किए गए परेशानियों का दावे शामिल हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, 'व्यवहारिक उद्देश्यों के लिहाज से ये मुद्दे अब नहीं बचे हैं। अगर शैक्षणिक उद्देश्य से बेंच इन पर विचार करना चाहती है, तो हम मदद कर सकते हैं।'

इसपर जस्टिस गवई ने सवाल किया, 'इतने बड़े स्तर पर लंबित होने के बाद भी पांच जजों की बेंच के अकादमिक मुद्दों पर विचार करना चाहिए? क्या अकादमिक मुद्दों के लिए समय है?' जस्टिस नजीर ने मामले पर सुनवाई के लिए 12 अक्टूबर की तारीख तय की है। उन्होंने कहा, 'पहला सवाल है कि हम यह जांच करेंगे कि क्या यह मुद्दा अकादमिक बन गया है और इसे सुना जा सकता है या नहीं।'

# रात को हाईकमान का आया आदेश, सुबह दे दिया इस्तीफा : विजय रूपाणी

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पद छोड़ने के एक साल बाद विजय रूपाणी ने बड़ा खुलासा किया है। रूपाणी ने बताया कि इस्तीफे से एक रात पहले उन्हें भाजपा के हाईकमान द्वारा इस्तीफा देने के लिए कहा गया था। रूपाणी ने 11 सितंबर 2021 को अपने पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि भाजपा हाईकमान ने इस्तीफे के लिए कहा और अगले दिन उन्होंने पद छोड़ दिया। रूपाणी ने कहा कि उन्होंने हाईकमान से न इसका कारण पूछा और न ही किसी ने उनको कारण बताया। रूपाणी ने इंटरव्यू में बताया कि अगर मैंने कारण पूछा होता तो मुझे यकीन है कि उन्होंने मुझे इसका कारण बताया होता।

रूपाणी ने कहा कि मैं हमेशा से पार्टी का अनुशासित कार्यकर्ता रहा हूं, मैंने हमेशा वही किया है जो पार्टी ने मुझसे करने के लिए कहा है। पार्टी ने मुझे मुख्यमंत्री बनने का आदेश दिया तो मैं बन गया, जब पार्टी ने मुझसे कहा कि वे मेरा पद वापस ले रहे हैं तो मैंने उन्हें खुशी-खुशी वापिस लौटा भी दिया। रूपाणी को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के ठीक एक साल बाद भाजपा ने उन्हें पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया है। अपने इस नए कार्य को वह राष्ट्रीय राजनीति में अपनी उन्नति के रूप में देख रहे हैं।

उन्होंने इसे लेकर इंटरव्यू में कहा कि मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि पार्टी ने मुझे पहले शहर के स्तर पर, फिर क्षेत्रीय स्तर पर काम सौंपा और मैंने उसी के अनुसार काम किया। रूपाणी ने यह भी कहा कि वह इस साल के अंत में गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों में गहरी दिलचस्पी लेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा दो-तिहाई बहुमत से जीते।

# पीएफआई ने किया संगठन को भंग करने का एलान, कहा- केंद्र का फैसला हमें स्वीकार

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। केरल में अच्छा खासा प्रभाव रखने वाले, प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक वरिष्ठ नेता बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार की ओर से संगठन को अवैध करार दिए जाने के मद्देनजर अब इसे भंग कर दिया गया है। पीएफआई के प्रदेश महासचिव अब्दुल सत्तार ने संगठन की केरल इकाई के फेसबुक पेज पर पोस्ट साझा की है कि देश के कानून का पालन करते हुए संगठन गृह मंत्रालय का फैसला स्वीकार करता है। यह पोस्ट करने के कुछ ही घंटे बाद सत्तार को करुणागपल्ली से पकड़ लिया गया।

सत्तार ने पोस्ट में यह भी कहा कि सभी सदस्य और आम लोगों को बता दिया गया है कि गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद पीएफआई को भंग कर दिया गया है।

सत्तार ने 23 सितंबर को देशभर में पीएफआई के कार्यालयों पर हुई छापेमारी और नेताओं की गिरफ्तार के विरोध में कथित तौर पर राज्यव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था, जिसके बाद से वह फरार था। आज उसे राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपा जा सकता है। पीएफआई के कार्यकर्ताओं ने 23 सितंबर की हड़ताल के दौरान कथित तौर पर व्यापक हिंसा की थी, जिसके परिणामस्वरूप बसों, सार्वजनिक संपत्ति और यहां तक कि आम लोगों पर हमले भी हुए थे।

एनआईए के नेतृत्व में विभिन्न एजेंसियों की टीमों ने पिछले हफ्ते 15 राज्यों में 93 स्थानों पर छापे मारे थे और देश में आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने के आरोप में पीएफआई के 100 से अधिक नेताओं को गिरफ्तार किया था।

सबसे अधिक 22 लोगों की गिरफ्तारी केरल से हुई थी, जहां कुछ स्थानों पर पीएफआई का काफी प्रभाव है। ये गिरफ्तारियां एनआईए, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और संबंधित राज्यों की पुलिस ने की थीं।

# दिल्ली समेत तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प, सरकार ने बातया 10 हजार करोड़ निवेश का प्लान

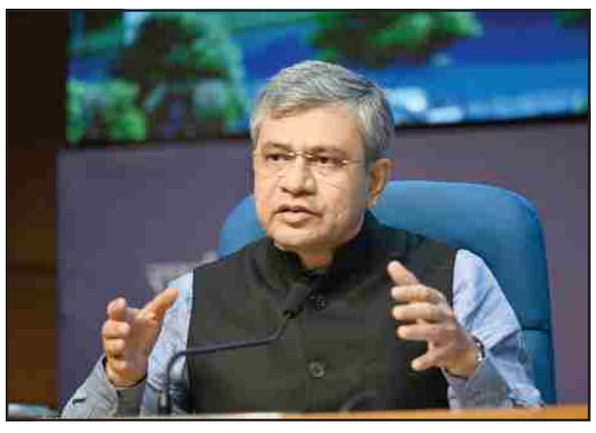

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को तीन बड़े फैसले लिए। इसमें रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प भी शामिल है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को जानकारी दी कि तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, अहमदाबाद और मुंबई के पुनर्विकास के लिए भारतीय रेलवे के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना में लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इसके अतिरिक्त देश के 199 प्लेटफॉर्मों के कायाकल्प पर भी काम किया जा रहा है।

बुधवार को रेल मंत्री अश्विन वैष्णव ने जानकारी दी कि रेलवे स्टेशनों के एकीकृत को लेकर फैसले लिए गए हैं। 199 रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प पर कार्य किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि इस महत्वकांक्षी परियोजना के तहत रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्म की जगह का विकास किया जाएगा। स्टेशन के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसमें 10 हजार करोड़ रुपये निवेश किया जाना है।

केंद्र सरकार रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प की तरफ आगे बढ़ रही है। इसमें पहले चरण के तहत तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर फोकस किया गया है। जिसमें नई दिल्ली, अहमदाबाद और मुंबई रेलवे स्टेशन शामिल है। रेल मंत्री वैष्णव ने जानकारी दी कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में बसों, ऑटो और मेट्रो रेल सेवाओं के साथ ट्रेन सेवाओं को एकीकृत किया जाएगा। वहीं, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का नया स्वरूप मोडेरा के सूर्य मंदिर से प्रेरित है। मुंबई के हेरिटेज भवन को छुआ नहीं जाएगा, लेकिन आसपास की इमारतों को फिर से विकसित किया जाएगा।

इसके पहले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने घोषणा की कि केंद्रीय कैबिनेट ने अगले तीन महीनों के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) योजना का विस्तार करने का फैसला किया है। साथ ही केंद्र ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में भी 4 फीसदी की बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। नवीनतम वृद्धि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए 38 प्रतिशत के महंगाई भत्ते की राशि होगी।

# तेजस्वी यादव को अदालत में पेश होने के निर्देश

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव को रेलवे होटलों से जुड़े एक घोटाले के मामले में उनकी जमानत रद्द करने की सीबीआई की याचिका पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा है।

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष सीबीआई न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने मामले में जवाब देने के लिए वकील को समय देते हुए 18 अक्टूबर को तेजस्वी यादव की व्यक्तिगत उपस्थिति की मांग की। 17 सितंबर को, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) से जुड़े कथित घोटाले में यादव को दी गई जमानत को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

मामला 2006 का है जब उनके पिता और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यूपीए -1 सरकार में रेल मंत्री थे। यह आरोप लगाया गया था कि एक निजी फर्म के साथ आईआरसीटीसी होटलों के रखरखाव अनुबंध से जुड़ी कई अनियमितताएं हुई थीं। राजद नेता और उनकी मां राबड़ी देवी को 2018 में इस मामले में जमानत दी गई थी। केंद्रीय एजेंसी ने अपने एक तर्क में कहा है कि तेजस्वी यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान अधिकारियों को धमकी दी थी, जिससे मामला प्रभावित हुआ।

रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटल रिश्वत मामले में शामिल थे। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि आईआरसीटीसी मामले में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत अन्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। 24 अगस्त को, सीबीआई ने पटना, कटिहार, मधुबनी, वैशाली और सीतामढ़ी जिलों में राजद नेताओं के परिसरों पर कई छापे मारे थे। इसके अलावा, गुरुग्राम में अर्बन क्यूब्स मॉल के एक अन्य मामले की भी जांच की, कथित तौर पर यह माना जाता है कि तेजस्वी यादव ने इसमें निवेश किया था।

छापेमारी के बाद, 25 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने धमकी और चेतावनी भरे अंदाज में कहा था कि, क्या सीबीआई अधिकारियों की मां बहनें और बच्चे नहीं होते? क्या उनका परिवार नहीं है? क्या वे हमेशा सीबीआई अधिकारी रहेंगे? क्या वे रिटायर नहीं होंगे? सिर्फ यही पार्टी सत्ता में बनी रहेगी? आप क्या संदेश देना चाहते हैं? आपको संवैधानिक संगठन के कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करना चाहिए।

## मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अनिल देशमुख की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

मुंबई, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में आज सुनवाई पूरी हो गई है। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार राकांपा नेता अनिल देशमुख की जमानत याचिका पर सुनवाई शुरू की थी।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाईकोर्ट को निर्देश दिया था कि वह देशमुख की जमानत याचिका पर तेजी से फैसला करे, क्योंकि यह मार्च 2022 से लंबित है। तब से हाईकोर्ट के चार न्यायाधीशों रेवती मोहिते डेरे, पीडी नाइक, भारती डांगरे और पी के चव्हाण ने पूर्व मंत्री की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर चुके हैं। मंगलवार को न्यायमूर्ति एन जे जमादार की एकल पीठ ने जमानत याचिका पर सुनवाई की। देशमुख के वकीलों ने अपनी दलीलें पूरी कीं। इसके बाद बुधवार को अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय के वकील की दलीलें सुनीं।

पूर्व मंत्री के वकील विक्रम चौधरी ने मंगलवार को तर्क दिया कि यह एक ओपन और शट केस नहीं बल्कि यह एक विचार था। चौधरी ने तर्क दिया कि इस मामले में मुद्दे बेहद व्यापक क्षेत्र में हैं और सुनवाई एक लंबी प्रक्रिया होने जा रही है। इस मामले में जो दिखता है, उससे कहीं अधिक है। अदालत को जमानत पर समग्र दृष्टिकोण से विचार करना चाहिए और आवेदक का कोई पुराना इतिहास नहीं है, उसे एक दिन और जेल में क्यों भुगतना चाहिए? उन्होंने अदालत को बताया कि कि देशमुख 72 वर्ष के हैं और फेफड़े और रीढ़ की बीमारियों सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं और यह उन पर भारी पड़ रहा है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट से महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की जमानत याचिका पर एक हफ्ते के भीतर सुनवाई करने और उस पर तेजी से फैसला करने को कहा था।

देशमुख अभी 100 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामले में जेल में बंद हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा देशमुख की जमानत याचिका पर फैसला नहीं करने और उसे लंबित रखने पर नाराजगी व्यक्त की थी।

## कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मामले में अमानतुल्लाह खान को जमानत दी

नई दिल्ली, 28 सिम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली की अदालत ने बुधवार को आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित करप्शन के मामले में जमानत दे दी, मामले की जांच भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) कर रही है।

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने मंगलवार को पक्षकारों की दलीलें सुनने के बाद खान की जमानत अर्जी पर आदेश सुनाने के लिए बुधवार की तारीख तय की थी। आप विधायक को 16 सितंबर को एसीबी ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें 4 दिन और 5 दिन की एसीबी कस्टडी में लिया गया था। 26 सितंबर को अमानतुल्लाह खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। 27 सितंबर को अमानतुल्लाह की जमानत पर दोनों पक्षों की बहस पूरी हुई थी, जिसके बाद 28 सितंबर को कोर्ट ने जमानत दे दी।

एसीबी सूत्रों के अनुसार, मामले में पहली प्राथमिकी जनवरी 2020 में भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी के साथ पठित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत दर्ज की गई थी। बाद में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 के साथ-साथ आईपीसी की धारा 409 को मामले में जोड़ा गया। दो साल पुराने मामले के बाद, एसीजेडबी ने 16 सितंबर को विधायक को तलब किया था, जबकि उससे जुड़े चार ठिकानों पर छापेमारी की थी और कई जगहों पर आपत्तिजनक सामग्री मिली भी थी।

अधिकारियों के अनुसार, खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के पैसों का कथित रूप से दुरुपयोग किया है जिसमें दिल्ली सरकार से सहायता अनुदान शामिल है। चार स्थानों पर एसीबी की छापेमारी के दौरान 24 लाख रुपये नकद बरामद किए गए और दो अवैध, बिना लाइसेंस के हथियार, कारतूस और गोला-बारूद भी जब्त किया गया था।

## विजय नायर की गिरफ्तारी पर अरविंद केजरीवाल बोले, वह सामान्य पार्टी कार्यकर्ता

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली की शराब नीति में कथित भ्रष्टाचार के मामले में जांच एजेंसी सीबीआई द्वारा विजय नायर को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद बुधवार को पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह सामान्य पार्टी कार्यकर्ता हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने यहां बुधवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'सीबीआई ने विजय नायर को कल गिरफ्तार कर लिया। मुझे समझ में नहीं आ रहा कि उन्होंने उन्हें क्यों गिरफ्तार किया है। वह सिर्फ छोटे से पार्टी कार्यकर्ता हैं। वह हमारे लिए संचार का काम संभालते हैं। पहले उन्होंने पंजाब में संचार का काम संभाला और हमने वहां सरकार बनाई। अब वह गुजरात में पार्टी के लिए वही काम कर रहे थे। वह गुजरात में सोशल मीडिया आउटरीच को संभाल रहे थे।'

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि नायर को डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया का नाम लेने के लिए मजबूर किया गया।

उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से नायर को हर दिन पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था। उन पर मनीष सिसोदिया का नाम लेने के लिए दबाव डाला जा रहा था, और नाम न बताने पर गिरफ्तारी की धमकी दी गई थी। इससे पहले उन्होंने मनीष सिसोदिया के घर पर छापा मारा, लॉकर की जांच की, लेकिन कुछ भी नहीं पाया। दरअसल वे आप को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं।'

केजरीवाल ने कहा कि सरकार का पहला कर्तव्य लोगों को महंगाई और बेरोजगारी से मुक्त करना होना चाहिए, लेकिन सरकार की दिलचस्पी आम आदमी की समस्याओं के समाधान में नहीं है।

उन्होंने कहा, 'देशभर के लोग महंगाई से पीड़ित हैं। बेरोजगारी बहुत है और व्यवसाय बंद हो रहे हैं। ऐसे समय में समाधान खोजना किसी भी सरकार का सबसे बड़ा काम है। लेकिन वे ऐसा नहीं करते। वे केवल गंदी राजनीति में लिप्त रहना चाहते हैं। वे केवल आप को खत्म करने, केजरीवाल और आप को कुचलने के तरीके खोज रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि मनीष सिसोदिया को भी अगले एक हफ्ते में गिरफ्तार किया जा सकता है। लेकिन इसका आप कार्यकर्ताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'अगर वे नायर जैसे छोटे पार्टी कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर सकते हैं, तो वे किसी को भी गिरफ्तार कर सकते हैं। आज मैं देशभर के सभी आप कार्यकर्ताओं से गिरफ्तारी के लिए तैयार रहने की अपील करता हूं।'

## छात्रा के सवाल पर आईएएस हरजोत कौर का अटपटा जवाब- आज सैनिटरी पैड, कल निरोध मांगोगे, पाकिस्तान चले जाओ

पटना, 28 सितम्बर (का.सं.)। बिहार की राजधानी पटना में एक सरकारी कार्यक्रम में महिला आईएएस अधिकारी हरजोत कौर का एक विवादित बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला एवं बाल विकास निगम की अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक हरजोत कौर ने इस कार्यक्रम में शामिल छात्राओं की शिकायतों और सवालों पर एक से बढ़कर एक अटपटे जवाब दिए। किसी से कहा कि पाकिस्तान चली जाओ। किसी से कहा कि आज सैनिटरी पैड मांग रही हो, कल को निरोध मांगोगी। किसी से कहा कि घर में कितने वाशरूम हैं जो स्कूल में अलग चाहिए। शिकायत करने वाली एक लड़की ने कहा कि स्कूल में लड़कियां पानी कम पीती हैं ताकि पेशाब ना लगे और उन्हें टूटे हुए शौचालय में ना जाना पड़े जिसमें लड़के भी घुस आते हैं।

मंगलवार को महिला एवं बाल विकास निगम, यूनिसेफ, सेव द चिल्ड्रेन और ख़लान इंटरनेशनल के कार्यक्रम 'सशक्त बेटी, समृद्ध बिहार: टुवार्ड्स एन्हान्सिंग द वैल्यू ऑफ गर्ल चाइल्ड' में हरजोत कौर ने एक छात्रा के स्कूलों में सैनिटरी पैड देने के सवाल पर कहा कि लोगों की मांग का कोई अंत नहीं है। लोग हमेशा कुछ न कुछ मांगते रहेंगे। छात्रा ने सवाल किया था कि बिहार के स्कूलों में क्या सरकार 20 रुपये का सैनिटरी पैड उपलब्ध नहीं करवा सकती।

इस सवाल पर आईएएस मैडम के तेवर बदल गए। हरजोत कौर यहां तक बोल गईं कि सरकार से लोग बहुत कुछ मांगना शुरू कर देंगे। कल जींस की मांग उठने लगेगी फिर सुंदर जूते मांगने लगेंगे। मांगों का कोई अंत नहीं है। हरजोत कौर ने ये तक कह दिया कि ऐसे अगर मांग जारी रहेगी तो लोग फ्री निरोध भी मांगने लगेंगे। कौर ने कहा कि लड़कियों को सशक्त होने की जरूरत है। हर चीज के लिए सरकार पर निर्भर नहीं रहें।

कार्यक्रम में लैंगिक असमानता के खिलाफ चल रही योजनाओं से छात्राओं को परिचित कराना था। लेकिन जब लड़कियों ने सवाल पूछे तो विवादित जवाब मिले। एक छात्रा ने स्कूल में शौचालय टूटे होने का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें लड़के घुस जाते हैं, पेशाब ना लगे इसलिए लड़कियां पानी कम पीती हैं तो हरजौत कौर ने संवेदनहीन तरीके से कहा कि तुम्हारे घर में कितने शौचालय हैं, हर जगह अलग से कुछ मांगोगी तो कैसे चलेगा। कार्यक्रम के बाद हरजोत ने मीडिया से बात करने से मना कर दिया।

### केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

## पीएफआई पर लगा पांच साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की आतंकी फंडिंग व अन्य गतिविधियों के चलते भारत में पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। गृह मंत्रालय की ओर से इसके लिए अधिसूचना (नोटिफिकेशन) भी जारी कर दी गई है। यूएपीए एक्ट के तहत इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया है। बता दें कि एक कट्टरपंथी संगठन है। 2017 में एनआईए ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। एनआईए जांच में इस संगठन के कथित रूप से हिंसक और आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने के बात आई थी। एनआईए के डोजियर के मुताबिक यह संगठन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना गया।

पीएफआई पर पांच साल का प्रतिबंध लगने के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ट्वीट किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि बाय-बाय पीएफआई। इसके अलावा उन्होंने गृहमंत्रालय की अधिसूचना की कॉपी भी साझा की है।

कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की आतंकी फंडिंग व अन्य गतिविधियों पर मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) समेत सुरक्षा एजेंसियों ने फिर कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, असम और मध्य प्रदेश में 230 से अधिक लोग गिरफ्तार किए या हिरासत में लिए गए। एनआईए व पुलिस टीमों ने मंगलवार तड़के से ही पीएफआई के ठिकानों पर छापे मारने शुरू किए, जो दिनभर चले। कर्नाटक में सर्वाधिक 80, जबकि यूपी में 57 लोगों को पकड़ा गया है।

एनआईए को मिली सूचना के मुताबिक, पिछली कार्रवाई के बाद पीएफआई की पूरे देश में प्रदर्शन व आतंकी वारदात के जरिये कानून व्यवस्था बिगाड़ने की साजिश थी। खासतौर पर संवेदनशील इलाकों में अशांति फैलाने की तैयारी कर ली गई थी। इसे देखते हुए ऐसे इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। असम व महाराष्ट्र में 25-25 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

महाराष्ट्र में 15 लोग हिरासत में भी हैं। दिल्ली में 32 लोग हिरासत में हैं, वहीं मध्य प्रदेश में 21 और गुजरात में यह संख्या 17 है। इससे पहले, 22 सितंबर को हुई कार्रवाई में 16 राज्यों में 106 लोग गिरफ्तार किए गए थे। एनआईए पीएफआई की संलिप्तता वाले 19 एफआईआर पर कार्रवाई कर रही है।

एडीजी (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार के अनुसार छापे में कई आपत्तिजनक दस्तावेज और सबूत मिले हैं। इन सबूतों के आधार पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

पीएफआई ने कहा, हमें निशाना बनाने की केंद्र सरकार की कार्रवाई के खिलाफ लोकतांत्रिक विरोध को रोकने का यह प्रयासभर है और इस निरंकुश सत्ता में ऐसा होना स्वाभाविक ही है।

दिल्ली में पुलिस की विशेष शाखा ने कार्रवाई की कमान संभाली। कार्रवाई के विरोध में किसी तरह की हिंसा को रोकने और शांति कायम रखने के लिए अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियों को तैनात किया गया था। शाहीन बाग और जामिया नगर जैसे इलाकों में धारा 144 लागू की गई है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, कई स्थानों पर छापे मारे हैं जिनमें शाहीन बाग और निजामुद्दीन भी शामिल हैं। अब तक 30 लोग हिरासत में लिए हैं। उन्होंने बताया, जांच जारी है। केस नहीं दर्ज किया है।

नासिक पुलिस की अपराध शाखा ने ऑल इंडिया इमाम काउंसिल के राज्य प्रमुख मौलाना इरफान दौलत नदवी को पीएफआई से जुड़े होने पर गिरफ्तार कर लिया। एक और शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है।

### इन संगठनों पर भी लगा बैन

- रिहैब इंडिया फाउंडेशन
- कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया
- ऑल इंडिया इमाम काउंसिल
- नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन
- नेशनल विमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट
- एम्पावर इंडिया फाउंडेशन
- रिहैब फाउंडेशन(केरल)
- जूनियर फ्रंट

## राम भारत के कण-कण में समाये हुए हैं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण को अपनी विरासत पर गर्व की पुनर्प्रतिष्ठा और विकास का नया अध्याय बताया और कहा कि जिस तेज गति से यह काम हो रहा है वह पूरे देश को रोमांचित करने वाला है।

अयोध्या में सरयू नदी के नजदीक स्थित लता मंगेशकर की 93वीं जयंती के अवसर पर उनके नाम पर एक चौक के लोकार्पण के अवसर पर प्रसारित अपने वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि अयोध्या से लेकर रामेश्वरम तक, राम भारत के कण-कण में समाये हुये हैं।.

पीएम ने कहा कि लता दीदी के नाम पर बना चौक, हमारे देश में कला जगत से जुड़े लोगों के लिए भी प्रेरणा स्थली की तरह कार्य करेगा। ये बताएगा कि भारत की जड़ों से जुड़े रहकर, आधुनिकता की ओर बढ़ते हुए, भारत की कला और संस्कृति को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाना, ये भी हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के भव्य मंदिर में श्रीराम आने वाले हैं। उससे पहले करोड़ों लोगों में राम नाम की प्राण प्रतिष्ठा करने वाली लता दीदी का नाम, अयोध्या शहर के साथ हमेशा के लिए स्थापित हो गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि लता जी, मां सरस्वती की एक ऐसी साधिका थीं, जिन्होंने विश्व को अपने दिव्य स्वरों से अभिभूत कर दिया।लता दीदी से जुड़ी मेरी कितनी ही यादें हैं, कितनी ही भावुक और स्नेहिल स्मृतियाँ हैं। जब भी मेरी उनसे बात होती, उनकी वाणी की युग-परिचित मिठास हर बार मुझे मंत्र-मुग्ध कर देती थी।

## आरोपियों को चुनाव लड़ने से रोकने का मामला: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, 28 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर अपराधों के आरोपित व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोकने की मांग करने वाली एक याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बुधवार को विधि और न्याय मंत्रालय, गृह मंत्रालय तथा निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया।

शीर्ष अदालत इस मुद्दे पर वकील अश्विनी उपाध्याय की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अधिवक्ता अश्विनी कुमार दुबे के माध्यम से दायर याचिका में मांग की गई है कि जिन लोगों के खिलाफ आपराधिक मामलों में आरोप तय किए गए हैं, उन्हें चुनाव लड़ने से रोका जाए। इसके अलावा केंद्र और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने की भी मांग की गई है, जिन पर गंभीर अपराधों के तहत मामला चल रहा है।

## सीएम गोले ने .....

से राज्य के कुछ गरीब लोग पीड़ित हैं, उन्होंने लापरवाही न करने की चेतावनी दी। इसके अलावा मुख्यमंत्री तमांग ने वीआईपी कल्चर को खत्म करने की मंशा जाहिर की। उन्होंने कहा कि सिक्किम एक शांतिपूर्ण राज्य है और वह हमेशा गरीब लोगों के पक्ष में काम कर रहे हैं, इसलिए उन्हें विश्वास है कि कोई भी उनके बारे में गलत राय नहीं रखेगा।

केवल सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देने वाले लोगों पर कटाक्ष करते हुए, उन्होंने सभी से ऐसे लोगों के भ्रम में न आने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री गोले ने कहा ये लोग कुछ शब्द बोलकर एक एकाध प्रेस कांफ्रेंस कर अपनी हितों को साधने की फिराक में रहते हैं। मुख्यमंत्री गोले ने सभी से ऐसे लोगों से सावधान रहने का आग्रह किया। उन्होंने सभी से सरकार के अच्छे पहलुओं पर चर्चा करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय सूचना प्रौद्योगिकी का युग है और लोग 1994-95 की तरह भ्रमित नहीं हैं। अब सब कुछ पारदर्शी है। कुछ लोग मौजूदा सरकार की तुलना 25 साल पुरानी सरकार से करते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार 25 साल की सरकार की तुलना में काफी तेज गति से काम कर रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री गोले ने सभी को बताया कि आज की गई तीन घोषणाओं के लिए सरकार पहले ही राशि आवंटित कर चुकी है।

आज के कार्यक्रम का संचालन मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी सुजय प्रधान ने किया और मुख्यमंत्री के सचिव एसडी ढकाल ने स्वागत भाषण दिया।


NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:96 DrawDate on:28/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 85C 65611
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 65611 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
10719 23174 32719 45229 45688 48426 55143 57753 72755 87804
3rd Prize ₹450/-
0671 1737 4195 5078 5508 5746 5879 7858 8643 9791
4th Prize ₹250/-
2226 2787 3082 3747 4988 5923 6600 7618 7638 7902
5th Prize ₹120/-
0328 0332 0465 0540 0568 0571 0609 0718 0817 0819
1024 1102 1217 1234 1368 1578 1670 1897 2057 2170
2486 2505 2599 2843 2846 2876 2950 2985 2992 3038
3166 3171 3233 3246 3266 3277 3476 3713 3834 3878
3915 4182 4219 4264 4357 4385 4535 4575 4696 4802
4864 4963 5124 5239 5261 5297 5371 5938 6035 6079
6431 6438 6439 6511 6742 6909 6958 6968 6994 7104
7114 7200 7212 7280 7300 7584 7591 7637 7719 7824
7922 7971 8033 8200 8346 8367 8385 8564 8705 8965
9043 9134 9143 9234 9256 9633 9729 9779 9827 9841
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:96 DrawDate on:28/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 78A 25740
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 25740 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08490 12621 14699 23453 25380 33237 63416 87918 93381 93557
3rd Prize ₹450/-
1349 1987 2809 2828 3405 4108 5198 5237 6670 9815
4th Prize ₹250/-
1936 4248 4286 5929 6169 6188 7754 9352 9400 9814
5th Prize ₹120/-
0174 0196 0382 0427 0520 0993 1041 1154 1193 1356
1541 1671 1718 2236 2315 2424 2457 2467 2659 2681
2719 2889 2912 3100 3136 3154 3163 3289 3299 3349
3359 3434 3437 3445 3462 3559 3665 3915 3993 4384
4500 4518 4595 4661 4756 4764 4923 4963 5420 5535
5638 5721 5857 5895 5964 5972 6036 6128 6208 6274
6370 6419 6467 6524 6660 6662 6669 6747 6781 6892
6963 7404 7515 7531 7792 7929 7937 8056 8124 8189
8353 8375 8434 8743 8864 9030 9221 9314 9385 9415
9421 9483 9537 9565 9681 9774 9876 9905 9933 9990
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:196 DrawDate on:28/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 55B 52962
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 52962 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09845 32849 35308 41189 47365 48339 50883 54212 67277 88315
3rd Prize ₹450/-
0174 1052 1300 1959 2459 4415 5694 5866 7091 7565
4th Prize ₹250/-
0147 1474 2906 3524 3907 4197 5079 6185 6266 6375
5th Prize ₹120/-
0049 0066 0207 0323 0389 0413 0465 0471 0560 0601
0711 0831 0861 0893 0970 1201 1218 1282 1317 1329
1924 2071 2223 2224 2388 2505 2514 2623 2886 2972
3134 3255 3258 3493 3559 3675 3687 3810 4146 4164
4230 4424 4508 4564 4631 4811 4884 4932 5067 5096
5189 5392 5546 5576 5597 5640 5681 5767 5873 5934
6024 6055 6130 6207 6392 6510 6520 6610 6697 6795
6833 7060 7063 7184 7202 7564 7641 7643 7650 7664
7717 7917 8073 8281 8291 8292 8343 8434 8734 9019
9176 9381 9475 9721 9736 9770 9806 9916 9952 9987
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR LAXMI WEALTH WEDNESDAY
Draw No:17 DrawDate on:28/09/22
1st Prize ₹10,000/- 3884 5682
2nd Prize ₹5,000/- 3458 7073
3rd Prize ₹2,000/- 3100 4638
4th Prize ₹1,000/- 2879 5803
5th Prize ₹500/-
2458 4544 5631 6402 6982 9808
6th Prize ₹200/-
0033 0058 0121 0165 0167 0177 0191 0200 0253 0296
0356 0388 0411 0424 0448 0471 0486 0551 0552 0611
0628 0643 0695 0704 0869 0901 0909 0910 0935 0956
0957 0965 1028 1071 1090 1202 1245 1261 1279 1285
1288 1292 1295 1308 1366 1378 1409 1411 1436 1451
1508 1530 1636 1645 1650 1659 1711 1798 1862 1906
1915 2011 2022 2023 2083 2103 2130 2145 2168 2172
2177 2190 2213 2239 2334 2345 2359 2382 2393 2492
2543 2567 2597 2612 2632 2684 2704 2706 2733 2788
2818 2938 2960 2999 3013 3015 3051 3095 3099 3118
3182 3205 3221 3229 3238 3263 3291 3319 3331 3359
3427 3453 3487 3506 3581 3594 3613 3687 3697 3711
3716 3739 3749 3750 3755 3865 3868 4005 4101 4134
4137 4179 4210 4220 4263 4312 4330 4339 4349 4454
4467 4498 4509 4514 4520 4593 4598 4640 4655 4674
4707 4734 4737 4762 4781 4840 4885 4908 4928 4977
4992 5004 5047 5052 5056 5084 5122 5155 5217 5247
5302 5523 5531 5614 5697 5721 5727 5745 5746 5785
5824 5827 5870 5898 5902 5998 6006 6042 6113 6121
6156 6184 6246 6247 6281 6291 6348 6361 6475 6486
6504 6593 6658 6674 6679 6704 6790 6799 6805 6817
6849 6873 6937 6941 7000 7048 7049 7055 7061 7071
7111 7202 7272 7275 7300 7303 7308 7310 7315 7345
7392 7423 7436 7442 7479 7494 7502 7555 7578 7589
7604 7631 7692 7753 7766 7812 7890 7930 7959 7970
7994 8136 8211 8236 8294 8295 8306 8539 8577 8596
8597 8631 8657 8677 8681 8710 8717 8735 8776 8812
8834 8844 8850 8858 8888 8905 8928 8961 9060 9114
9145 9148 9281 9325 9356 9359 9421 9439 9557 9565
9671 9673 9744 9745 9834 9841 9869 9892 9930 9947
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

# जयशंकर की दो टूक

पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के नवीकरण के लिए 45 करोड़ डॉलर की मदद देने के अमेरिकी फैसले पर अब तक की सबसे कठोर टिप्पणी करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आप बेवकूफ किसे बना रहे हैं, सब जानते हैं कि यह पैसा कहां खर्च होने वाला है। जयशंकर ने हालांकि यह टिप्पणी वॉशिंग्टन में अमेरिकी भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित एक समारोह में की, लेकिन इसकी अहमियत इस वजह से भी है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होने गए विदेश मंत्री उसके बाद भी तीन दिन वहां रुके और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन समेत कई महत्वपूर्ण व्यक्तियों से उनकी मुलाकात हुई। साफ है कि विदेश मंत्री के इस तेवर की झलक उन बैठकों में भी दिखी होगी। और यह तेवर न तो अकारण है न ही अस्वाभाविक।

आतंकवाद के सवाल पर पाकिस्तान का लापरवाही भरा रवैया जगजाहिर है। भारत तो इसका मुख्य शिकार रहा ही है, अन्य देश भी इसके गवाह रहे हैं। खुद अमेरिका भी इस पर आपत्ति करता रहा है। 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को दो अरब डॉलर की सुरक्षा सहायता स्थगित कर दी थी और इसका कारण यही बताया था कि वह अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क जैसे आतंकवादी समूहों पर कारगर कार्रवाई नहीं कर पाया है। ना ही, अपने यहां उनके सुरक्षित ठिकाने नष्ट कर पाया है। उसके बाद से यह पहला मौका है जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान सरकार को फॉरेन मिलिट्री सेल मंजूर की है।

स्वाभाविक ही सवाल उठता है कि अचानक अमेरिका के रुख में इस बदलाव का कारण क्या है। क्या सचमुच इस बीच पाकिस्तान ने आतंकवाद को लेकर अपना स्टैंड बदलने का कोई ठोस संकेत दिया है? बिल्कुल नहीं। बल्कि, पिछले दिनों एक बार फिर उसने चीन से मिलकर संयुक्त राष्ट्र में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक आतंकवादी को ब्लैकलिस्ट करने की कोशिश नाकाम करवा दी। ऐसे में एफ-16 लड़ाकू विमान के नाम पर उसे मदद देने का भला क्या अर्थ बनता है। उस पर दावा यह कि इन विमानों के जरिए आतंकवाद विरोधी अभियानों में मदद मिलेगी। विदेश मंत्री जयशंकर ने ठीक ही ध्यान दिलाया कि अमेरिका पाक रिश्तों का जो स्वरूप अब तक रहा है, उससे न तो पाकिस्तान का कुछ भला हुआ है और न अमेरिका को ही कोई फायदा हुआ है। वक्त का तकाजा है कि इस पर नए सिरे से विचार किया जाए। इसमें कोई दो राय नहीं कि पाकिस्तान या किसी भी देश को लेकर अपनी नीति अमेरिकी सरकार ही तय करेगी, लेकिन मित्र देश होने के नाते उसे उन नीतियों के अच्छे बुरे पहलुओं से अवगत कराना भारत का काम है। और, अपने हितों के हवाले से उन पर जरूरत के मुताबिक अपना रुख नरम या सख्त करना भी।

# पोषण ट्रैकर : कुपोषण से निपटने का उत्कृष्ट परिवर्तनकारी कदम

**इंदेवर पांडेय**
**सचिव**
**महिला एवं बाल विकास मंत्रालय**

कुपोषण विशेषकर देश में बच्चों और महिलाओं के कमजोर वर्गों के बीच एक बड़ी चुनौती के रूप में निरंतर बना रहा है। यही नहीं, पूरी दुनिया में कुपोषण के कुछ सबसे खराब आंकड़े अपेक्षाकृत रूप से भारत के ही थे। वर्ष 1992-1993 में प्रथम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में यह पाया गया कि भारत भी बाल स्वास्थ्य संकेतकों के मामले में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में से एक था।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय पूरक पोषण कार्यक्रम सहित एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) जैसे प्रणालीगत उपायों और कार्यक्रमों के जरिए कुपोषण की समस्या को दूर करने को निरंतर लक्षित करता रहा है जिसके तहत सबसे कमजोर वर्गों, अर्थात 6 साल से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों को स्वास्थ्य पूरक भोजन/फोर्टिफाइड राशन उपलब्ध कराया जाता है।

कुपोषण से लक्षित तरीके से निपटने के प्रयासों के तहत समग्र पोषण के लिए प्रधानमंत्री की व्यापक योजना या पोषण अभियान वर्ष 2018 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य अल्पपोषण, उम्र के हिसाब से छोटा कद होने, एनीमिया, जन्म के समय बच्चे का कम वजन होने, इत्यादि कमियों को मिशन मोड में दूर करना है। सहयोगी मंत्रालयों/विभागों के साथ संबंधित प्रयासों में सामंजस्य स्थापित करना, समुदाय आधारित कार्यक्रमों के जरिए व्यवहार में बदलाव लाने संबंधी संचार पर ध्यान केंद्रित करना, और जन आंदोलन के साथ-साथ प्रभावकारी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, इत्यादि इस अभियान के मुख्य उपाय हैं।

माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने सेवा मुहैया कराने में बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में प्रौद्योगिकी की क्षमता पर बार-बार विशेष जोर दिया है। इसी अभिनव भावना के अनुरूप पोषण ट्रैकर एप्लिकेशन को वर्ष 2021 में लॉन्च किया गया। पोषण ट्रैकर ऐप को देश भर के आंगनबाड़ी केंद्रों से आईसीडीएस के तहत कुपोषण और सेवा उपलब्धता से संबंधित डेटा/रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करने की दृष्टि से लॉन्च किया गया था, जिससे लगभग वास्तविक समय में निगरानी करने और लक्षित उपायों के लिए नीतियां बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

पोषण अभियान के तहत पहली बार आंगनबाड़ी केन्द्रों/कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन से लैस किया गया। बच्चों में उम्र के हिसाब से छोटा कद होने, कद के अनुसार बच्चे का वजन न होने, बेहद कम वजन होने की समस्याओं की पहचान तेजी से करने और अंतिम लाभार्थी को पोषण सेवा मुहैया कराने की निगरानी के लिए पोषण ट्रैकर से जुड़ी प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है।

9.8 करोड़ से भी ज्यादा लाभार्थियों को कवर करने वाले 13.9 लाख से अधिक कार्यरत आंगनबाड़ी केंद्रों से दैनिक डेटा एकत्र करते हुए पोषण ट्रैकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा सेवाएं मुहैया कराने और बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पूर्ण लाभार्थी प्रबंधन सहित निर्धारित संकेतकों पर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों की वास्तविक समय पर निगरानी और ट्रैकिंग को संभव करता है। पोषण ट्रैकर पर्यवेक्षकों और कार्यक्रम अधिकारियों को प्रगति की निगरानी करने और सेवा मुहैया कराने की आपूर्ति श्रृंखला में निहित कमी को पूरा करने के लिए वेब-आधारित डैशबोर्ड तक पहुंचने में भी मदद करता है। वास्तविक समय पर इस निगरानी के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों को ट्रैक किया जाता है जिससे इस कार्यक्रम की प्रगति का समग्र अवलोकन हो जाता है। यह हिंदी और अंग्रेजी के अलावा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है।

अंतिम छोर के लाभार्थी को पोषण सेवा मुहैया कराने की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय निरंतर प्रयासरत रहा है। इसे सुनिश्चित करने के लिए पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत लाभार्थियों को आधार से जोड़ा जाता है। यदि किसी बच्चे का आधार उपलब्ध नहीं है, तो इसे मां के आधार से जोड़ने की सुविधा का प्रावधान की गई है। लाभार्थियों को आधार से जोड़ने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि अंतिम लाभार्थी को पोषण सेवा मुहैया कराने की निगरानी एवं ट्रैक करने की अच्छी व्यवस्था है और संबंधित सेवा किसी और को मुहैया करा देना यानी कोई लीकेज या फर्जी प्रविष्टि संभव नहीं है। अब तक लगभग 82 प्रतिशत लाभार्थियों को आधार से जोड़ा जा चुका है।

इसके अलावा, पोषण ट्रैकर ने माइग्रेशन मॉड्यूल को सक्षम करके सही मायनों में आंगनबाड़ी सेवाओं के सार्वभौमीकरण को संभव कर दिया है। ट्रैकर में निहित माइग्रेशन मॉड्यूल से लाभार्थी के रिकॉर्ड को या तो एक राज्य के भीतर या एक राज्य से दूसरे राज्य में एक आंगनबाड़ी केंद्र से दूसरे आंगनबाड़ी केंद्र में निर्बाध रूप से स्थानांतरित करना संभव हो गया है। अत: ऐसे में लाभार्थी देश भर में कहीं से भी संबंधित पोषण सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

निर्णय लेने और सेवाओं का लाभ उठाने हेतु प्रोग्राम डिजाइन में बदलाव करने के लिए डेटा एवं सबूत और फीडबैक लूप अत्यंत आवश्यक हैं। पोषण ट्रैकर न केवल डेटा ट्रैकिंग व्यवस्था है, बल्कि इससे पोषण कार्यक्रम और इसकी सेवा मुहैया कराने की दक्षता और प्रभावशीलता की वास्तविक समय पर निगरानी करना संभव हो जाता है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आरसीएच पोर्टल जैसे अन्य प्रोग्रामेटिक टूल के साथ पोषण ट्रैकर का एकीकरण करने से लाभार्थियों के स्वास्थ्य और पोषण संकेतकों की समग्र तस्वीर सामने आ पाएगी।

पोषण ट्रैकर को लॉन्च किए हुए अभी सिर्फ 1.5 साल ही हुए हैं। 13 लाख से भी अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों से हर दिन बड़ी संख्या में प्राप्त होने वाले डेटा का संचालन किए जाने से यह स्पष्ट हो गया है कि जब इस पूरे सिस्टम में स्थिरता आ जाएगी, तो पोषण संबंधी परिणामों का आकलन करने संबंधी पोषण ट्रैकर की क्षमता असीमित हो जाएगी। शायद दुनिया के किसी भी अन्य देश में इतने बड़े पैमाने पर इस तरह का लक्षित या केंद्रित कार्यक्रम नहीं चलाया जा रहा है। अब तक अल्पपोषण का डेटा एनएफएचएस की रिपोर्टों के माध्यम से उपलब्ध था, जो कि समय-समय पर पेश की जाती हैं और इनके तहत परिवारों के एक सैंपल को कवर किया जाता है। हालांकि, आंगनबाड़ी सेवाओं के तहत पंजीकृत प्रत्येक लाभार्थी के स्वास्थ्य और पोषण संकेतकों को एकत्रित करना और निगरानी करना अभूतपूर्व है जिससे इसके लिए बेहतर और कहीं अधिक प्रभावकारी उपाय करना संभव हो जाता है।

माननीय प्रधानमंत्री ने बार-बार यह कहा है कि प्रौद्योगिकी से लोगों का जीवन बदल जाता है। गरीबी कम करने से लेकर विभिन्न प्रक्रियाओं को सरल बनाने तक, और भ्रष्टाचार को समाप्त करने से लेकर बेहतर सेवाएं मुहैया कराने तक प्रौद्योगिकी सर्वव्यापी है। इस तरह से यह मानव की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण साधन बन गई है।

भारत अपनी विशाल युवा आबादी और मानव पूंजी या संसाधन का लाभ तभी उठा सकता है जब उसके यहां के सभी बच्चे एवं युवा स्वस्थ और सुपोषित या पोषण से परिपूर्ण होंगे। हमारा यह स्पष्ट मानना है कि कुपोषण न केवल संबंधित पीड़ित बच्चे से ही जुड़ी समस्या है, बल्कि इससे संबंधित परिवार और समाज का भी बोझ बढ़ जाता है और इसके साथ ही देश में समस्त सामाजिक-आर्थिक समूह इससे प्रभावित होते हैं। जब एक सुदृढ़ और स्वस्थ आबादी को सुनिश्चित करने की बात आती है, तो सही पोषण के साथ-साथ प्रौद्योगिकी में सही प्रगति होने से कुपोषण को दूर करने और इसके दुष्प्रभावों को काफी हद तक रोकने में व्यापक मदद मिल सकती है। संपूर्ण पोषण और समग्र स्वास्थ्य जागरूकता के मिशन का प्रचार-प्रसार करके हम भारत के बच्चों और महिलाओं का सेहतमंद भविष्य सुनिश्चित कर रहे हैं।

# विदेशी पर्यटक कैसे आएं भारत

**आर.के. सिन्हा**
**पूर्व सांसद**

कोरोना का असर कम होते ही देश भर के एयरपोर्ट तथा रेलवे स्टेशनों पर पर्यटकों की भीड़ रहने लगी है। दो-ढाई सालों से घरों में दुबके हुए हिन्दुस्तानी अब बाहर निकल रहे हैं। वे फिर से पहली वाली जिंदगी को जीना चाहते हैं। बेशक, कोरोना ने आम इंसान की सोच को भी बदला है। अब बहुत से लोगों को लगने लगा है कि जीवन तो क्षणभंगुर है। इसलिए जितना जीवन है उसका उतना आनंद तो ले ही लिया जाए। निश्चित रूप से इस सोच के चलते लोग पर्यटन स्थलों पर जा रहे हैं। इससे कोरोना के कारण तबाह हो गया पर्यटन क्षेत्र फिर से खड़ा होने लगा है। इस उद्योग से जुड़े लाखों लोगों की फिर से कमाई चालू हो गई है। पर अब भी भारत में विदेशी पर्यटकों की आवक कायदे से चालू तो नहीं हुई है। कहना न होगा कि कोरोना के कारण विदेशी पर्यटकों ने भी भारत आना बंद ही कर दिया था। इंडिया टुरिज्म स्टेटिस्टिक्स की तरफ से हाल में जारी आंकड़ों के अनुसार, कोरोना के असर से ठीक एक साल पहले साल 2019 में भारत में 1.93 करोड़ विदेशी पर्यटक आए थे । उसके बाद से भारत में विदेशी पर्यटकों के आने का सिलसिला 75 फीसद तक गिरा। उसकी वजह तो समझ आती है। कोरोना की चेन को तोड़न के लिए सरकार ने बहुत सारे कदम उठाए थे। पर यह भी सच है कि कोरोना के असर के कारण भारत आने वाले पर्यटक बहुत कम हो गए। चूंकि अब हालत सामान्य हो चुके है, इसलिए सरकार और पर्यटन सेक्टर से जुड़े हरेक स्टेक होल्डर को हरचंद कोशिश करनी होगी ताकि भारत में विदेशी पर्यटकों की आवक बढ़े।

देखिए, यह तो कहना ही होगा कि हमारे यहां पर जितने महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं, उस लिहाज से हमारे यहां पर्यटक नहीं आते। भारत में ताजमहल, गुलाबी नगरी जयपुर, पहाड़ों की रानी दार्जिलिंग, असीमित जल का क्षेत्र कन्याकुमारी, पृथ्वी का स्वर्ग कश्मीर समेत अनगिनत अहम पर्यटन स्थल हैं। इनके अलावा भारत में भगवान बुद्ध से जुड़े अनेक अति महत्वपूर्ण स्थल हैं। भारत में बौद्ध के जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण स्थलों के साथ एक समृद्ध प्राचीन बौद्ध विरासत भी है। हमें यह सोचना होगा आखिर हम बौद्ध की भूमि होने के बावजूद दुनिया भर के बौद्ध अनुयायियों को आकर्षित करने में अबतक हम क्यों असफल रहे। भारतीय बौद्ध विरासत दुनिया भर में बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत रुचिकर है। कुशीनगर बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। भगवान बौद्ध ने कुशीनगर में महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था ।

इतना सब कुछ होने के बावजूद हमारे यहां विदेशी पर्यटकों का आंकड़ा सालाना दो करोड़ भी नहीं पहुंचता। बेशक, यह एक गंभीर विचारणीय बिन्दु है। इस पर सबको सोचना ही होगा। कुछ कमी तो हमारी भी है। हमें उन बिन्दुओं पर ठंडे दिमाग से सोचना होगा जिसके चलते हमारे यहां अन्य देशों के पर्यटक भारी मात्रा में कभी नहीं आए। आप गूगल सर्च करके देखेंगे तो आपको पता चल जाएगा कि हमारे यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों के साथ स्थानीय लोग लूट-खसोट करने से लेकर मारपीट करने तक से पीछे नहीं रहते। यह शर्मनाक है। इस तरह के तत्वों पर संगीन धाराएं लगाकर मुकदमा दर्ज होना चाहिए और कठोरतम दंड की व्यवस्था होनी चाहिये।

कुछ साल पहले की बात है जब मुझे मिस्र की राजधानी काहिरा में जाने का अवसर मिला था। मैं वहां पर विश्व प्रसिद्द पिरामिड भी देखने गया था। वे तो खैर अपने आप में अजुबा हैं ही। सबसे बड़ी बात, जिसने मेरा ध्यान आकृष्ट किया था, वह था वहां पर आए हुए हजारों विदेशी पर्यटक। पिरामिड स्थल के करीब की पार्किंग के पास दर्जनों बसें आ रही थीं। उनमें विदेशी पर्यटक थे। दो बसों में आए पर्यटकों की वेशभूषा को देखकर समझ आ रहा था कि वे भारतीय हैं। मैंने एक बुजुर्ग महिला से पूछा, क्या आप भारत से है? उसने उत्तर दिया, हम भारतीय हैं। पर हम केन्या में बसे हुए हैं। मैंने कभी किसी भी भारतीय पर्यटन स्थल पर इतने विदेश पर्यटक नहीं देखे थे। आप भारत में आगरा से लेकर गोवा और किसी बुद्ध सर्किट की खास जगह पर चल जाइये। आपको विदेशियों की तादाद ही बहुत कम मिलेगी। ये संख्या बढ़ानी होगी। अफसोस होता है कि थाईलैंड और सिंगापुर जैसे छोटे देशों में भारत से ज्यादा विदेशी पर्यटक सैर-सपाटा के लिए पहुंचते हैं। लेकिन, बुद्ध की धरती भारत में थाईलैंड, जापान, साउथ कोरिया, थाईलैंड जैसे देशों के बहुत कम पर्यटक आते हैं।

भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों को गोवा जैसा बनना होगा। गोवा सच में एक इस तरह का स्थान है जो सारी दुनिया से पर्यटकों को अपनी तरफ खींच सकता है। वहां पर यूरोपीय भी आते हैं। गोवा हर लिहाज से श्रेष्ठ है। गोवा के समुद्री बीच गजब के हैं। गोवा एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही गोवा वासियों के सुसंस्कृत व्यवहार से लेकर सड़कों पर व्यवस्थित ट्रैफिक को देखकर समझ आ जाता है कि गोवा कुछ हटकर है। आखिर बाकी पर्यटन स्थल गोवा जैस कब होंगे। इस बीच, अभी अमृतसर में और अधिक विदेशी पर्यटकों को लाया जा सकता है। अमृतसर में ही जलियांवाला बाग भी है। विदेशी पर्यटकों को भारत में लाना इसलिए भी जरूरी है कि इससे हमें विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होगी। फिलहाल स्थिति यह है कि भारत के हर साल हजारों-लाखों नौजवान शिक्षा ग्रहण करने के लिए अन्य देशों में जा रहे हैं। ये मेडिकल से लेकर अन्य विषयों में स्नातक की डिग्री लेने के लिए ही अन्य देशों का रुख करते हैं। स्नातकोत्तर की डिग्री लेने के लिए बाहर जाने वाले अपेक्षाकृत कम ही होते हैं। हर साल इन विद्यार्थियों के अन्य देशों में जाने के कारण देश की अमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती चली जाती है। इन लाखों विद्यार्थियों के लिए देश को अरबों रुपया अन्य देशों को देना पड़ता है विदेशी मुद्रा में। भारतीय विद्यार्थी अमेरिका, कनाडा आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया, यूक्रेन और चीन तक में भी चले जा रहे हैं। अगर कोई विद्यार्थी वास्तव में किसी खास शोध आदि के लिए अमेरिका की एमआईटी या कोलोरोडो जैसे विश्वविद्लायों में दाखिला लेता है तो कोई बुराई भी नहीं है। आखिर अमेरिका के कुछ विश्व विद्लाय अपनी श्रेष्ठ फैक्लटी और दूसरी सुविधाओं के चलते सच में बहुत बेहतर हैं। पर यूक्रेन, आयरलैंड और मलेशिया जाने का क्या मतलब है। इनसे देश के विदशी मुद्रा का भंडार कम होता है। हमारे पास विकल्प है कि हम अपने विदेशी मुद्रा के भंडार को विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करके मजबूती दे सकते हैं।

# बवंडर अस्वाभाविक नहीं

**अवधेश कुमार**

राजस्थान में उभरे संकट की कल्पना कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में से किसी को नहीं रही होगी।

कांग्रेस तो छोड़िए बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों को भी रत्ती भर आशंका नहीं थी कि सोनिया गांधी के करीबी माने जाने वाले अशोक गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव और राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन को विद्रोह के इतने बड़े बवंडर में परिणत कर देंगे। पूरे घटनाक्रम का अंत जैसे भी हो, वह न सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और उनके निकटतम लोगों के अनुसार होगा और न कांग्रेस के हित में ही। कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि किसी भी संकट, चुनौती या समस्या के समाधान की उसकी कोशिश नये संकट, समस्या और चुनौती में परिणत हो जाती है।

कांग्रेस के अंदर ही अध्यक्ष के चुनाव और नेतृत्व परिवर्तन की मांग उठ रही थी। साफ है कि गाहे-बगाहे पूरी पार्टी में एक बड़ा वर्ग संदेश दे रहा था कि वर्तमान नेतृत्व यानी सोनिया गांधी परिवार के हाथों कांग्रेस का भविष्य अब बिल्कुल सुरक्षित नहीं है। दूसरी ओर परिवार और उनके समर्थकों की पूरी कोशिश हर दृष्टि से नेतृत्व उनके हाथों बनाए रखने या फिर ऐसे व्यक्ति को अध्यक्ष पद सौंपने की थी जो शत-प्रतिशत उनके नियंतण्रमें रहे। इसी सोच के तहत अशोक गहलोत को राजस्थान से निकालकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व सौंपने का निर्णय हुआ। परिणाम सामने है।

इसमें दो राय नहीं कि यह संपूर्ण घटनाक्रम अशोक गहलोत के द्वारा तैयार किया गया है। अशोक गहलोत को लगा कि राजस्थान से बाहर निकलने के बाद उनके लिए प्रदेश में अपनी धाक बनाए रखना संभव नहीं होगा। एक बार अगर नेतृत्व सचिन पायलट के हाथों गया तो उनकी वापसी मुश्किल होगी। दूसरे, उन्हें यह भी पता है कि राष्ट्रीय स्तर पर इस समय कांग्रेस प्रभावी पार्टी के रूप में खड़ी नहीं हो सकती। वह एक अनुभवी राजनेता हैं और देश के राजनीतिक वातावरण को बेहतर तरीके से समझते हैं। तीसरे, अभी पता है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के बावजूद उनकी हैसियत इतनी नहीं होगी कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा की चाहत की अनदेखी कर कोई निर्णय कर सकें। और सबसे बढ़कर उनको इस बात का पूरा आभास है कि इस समय कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के अलावा कहीं भी उस रूप में नहीं है जिसके आधार पर उसे वहां की मुख्य पार्टी कहा जा सके।

इस तरह देखें तो राजस्थान का वर्तमान बवंडर कांग्रेस की स्थिति का स्वाभाविक प्रकटीकरण है। केंद्रीय नेतृत्व असुरक्षा बोध से ग्रस्त है। इस कारण उसे लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी ऐसे व्यक्ति के हाथों पार्टी की बागडोर न चली जाए जो उसकी ही अनदेखी कर दे। यही स्थिति दूसरे नेताओं की भी है।

अशोक गहलोत की जगह दूसरा कोई होता तो उसकी सोच भी यही होती। अशोक गहलोत के समर्थक विधायकों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के घर जाकर त्यागपत्र देने के बाद कांग्रेस के सामने मुख्य चुनौती किसी तरह वहां की सरकार को बनाए रखना हो गया। यह साफ हो गया था कि अशोक गहलोत को केंद्र में लाकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी सचिन पायलट को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। इसके लिए एक पंक्ति का प्रस्ताव भी पारित होने का निर्णय हो गया था।

किंतु, जो अशोक गहलोत बिल्कुल सोनिया गांधी के यशोगान में लगे रहते थे उन्होंने अंदर ही अंदर ऐसी व्यूह रचना कर दी जिसने सबको सकते में डाल दिया। उनके समर्थक विधायक सार्वजनिक रूप से कह रहे थे कि हम एक पंक्ति के प्रस्ताव को स्वीकार करने नहीं आए हैं। उन लोगों ने तीन शर्तें रख दी। एक, अध्यक्ष पद का चुनाव यानी 19 अक्टूबर तक अशोक गहलोत ही मुख्यमंत्री रहे। दो, अगला मुख्यमंत्री कौन हो इसके निर्णय का अधिकार भी गहलोत को दिया जाए। और तीन, उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री बने रहने का भी विकल्प दिया जाए। इन तीन शतरे को मानने का अर्थ है केंद्रीय नेतृत्व का अशोक गहलोत के समक्ष आत्मसमर्पण कर देना। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों के लिए इन्हें स्वीकार करना बिल्कुल संभव नहीं। पहली शर्त को स्वीकार हो भी सकता था लेकिन बाद के दोनों नहीं।

इस समय संकट का जो भी समाधान निकाला जाए वह स्थाई नहीं हो सकता। अगर सचिन पायलट तत्काल मुख्यमंत्री नहीं बनते हैं तो उनके सामने स्पष्ट हो जाएगा कि अब राजनीति के लिए दूसरी दिशा लेनी पड़ेगी। वे क्या निर्णय करेंगे यह भले भविष्य के गर्त में हो लेकिन कांग्रेस की इस धारा में उनके लिए आगे चलना कठिन होगा। प्रश्न है कि इसके लिए किसे दोषी माना जाए? इसका उत्तर देने की आवश्यकता नहीं। कांग्रेस जिस दुरावस्था का शिकार है उसमें सबसे पहली आवश्यकता वर्तमान केंद्रीय नेतृत्व यानी सोनिया गांधी परिवार की ओर से यह घोषणा करना है कि हमारी प्राथमिकता पार्टी को सशक्त बनाना है और इसके लिए हमें जो कुछ करना होगा करेंगे नेतृत्व हमारे लिए मायने नहीं रखता।

# नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और 'ताल' का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

### नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

1. नैनिताल नैना झील:
यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।
2. नैना देवी मंदिर :
इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।
3. हिल स्टेशन :
बर्फ से ढ़के पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।
4. प्राणी उद्यान नैनिताल :
पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्द स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
5. हनुमानगढ़ी नैनिताल :
यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है।
इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

# अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

### अल्मोड़ा हिल स्टेशन

1. अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
2. अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
3. अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
4. अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
5. अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।

### अल्मोड़ा जाना चाहते हैं तो पहले इसे पढ़ें

6. अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
7. अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
8. अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान हैं।
9. अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
10. अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादून और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

# देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

### भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

1. गोवा :
समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।
2. चंबा :
उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।
3. दार्जिलिंग :
'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।
4. शिमला :
शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
5. ऊटी :
तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देगी।
6. लक्षद्वीप :
32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्ष्यद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।
7. उदयपुर:
उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
8. पचमढ़ी :
होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।
9. लोनावाला :
महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।
10. श्रीनगर:
कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।

# रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

1. माता पार्वती है नंदा देवी: उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
2. गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन: नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
3. सबसे ऊंची चोटी: नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
4. 12 वर्ष में एक बार यात्रा: नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कुल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
5. हिमालयी कुंभ: चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
6. आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रश की शुरुआत: नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
7. यात्रा का प्रारंभ और अंत: नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
8. रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा: इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
9. 19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में : इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
10. यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाडू: इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाडू (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाडू आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।

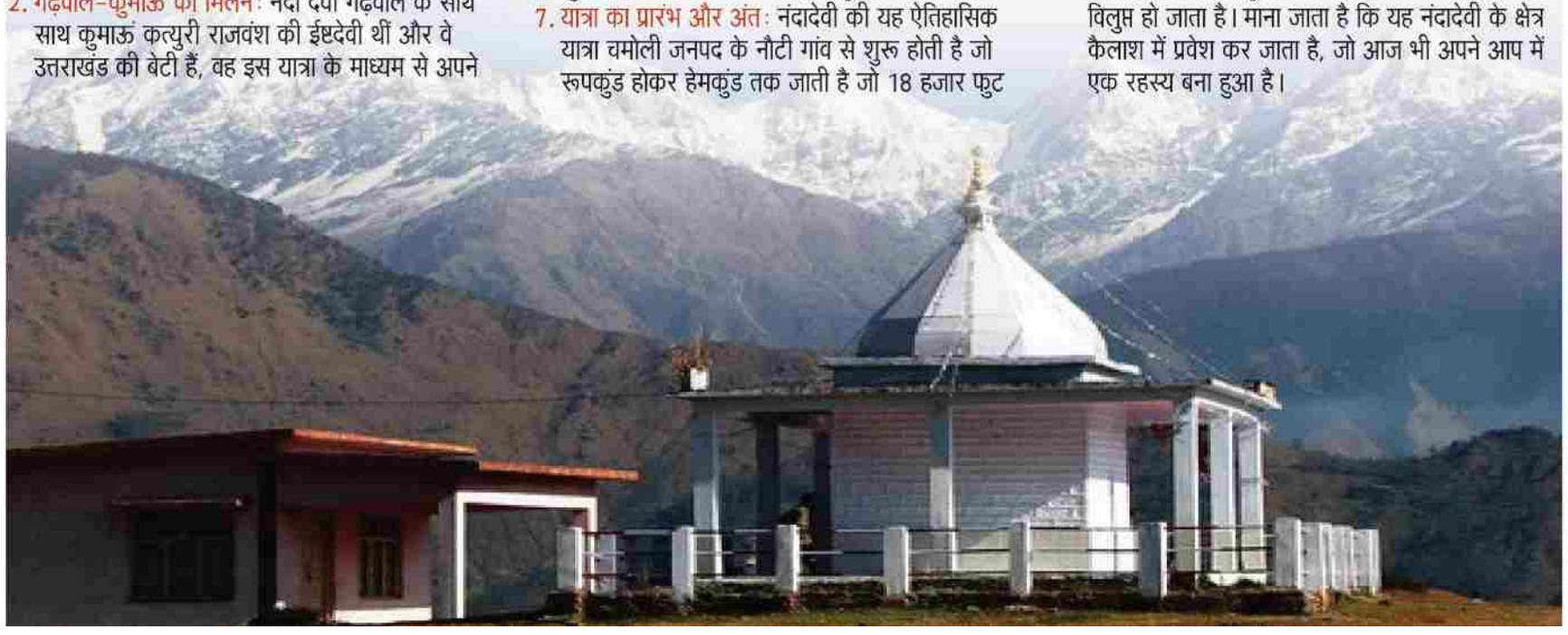

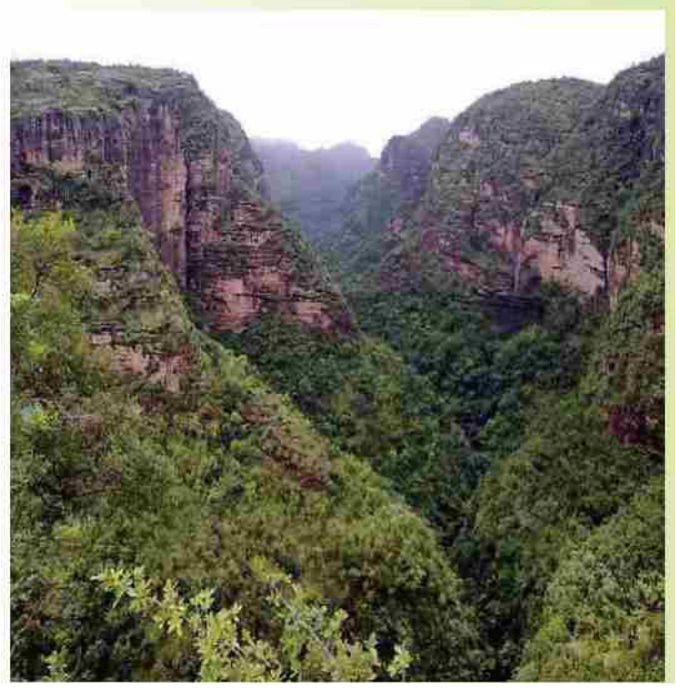

## 225 किमी प्रति घंटे की तूफानी गति से फ्लोरिडा की ओर बढ़ा चक्रवाती तूफान इयान

फ्लोरिडा । चक्रवात'इयान' ने मूसलाधार बारिश और तेज रफ्तार हवाओं के साथ क्यूबा के पश्चिम तट पर दस्तक दे दी है। चक्रवात के मद्देनजर सरकार ने समुद्र तटीय इलाकों से 50 हजार से अधिक लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। चक्रवात तेज गति से उत्तर की ओर बढ़ रहा है और माना जा रहा है कि बुधवार को यह किसी भी समय मैक्सिको खाड़ी को पार करते हुए अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के तट पर टक्कर दे सकता है। इयान श्रेणी-3 का चक्रवात है। उल्लेखनीय है कि श्रेणी-3 का चक्रवात उसे कहते हैं, जिसमें हवाओं की गति कम से कम 178 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। यूएसएनएचसी ने बताया कि यह चक्रवात हर दिन प्रचंड रूप ले रहा है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जब यह चक्रवात फ्लोरिडा के तट पर पहुंचेगा तब तक यह श्रेणी-4 के चक्रवात में बदल चुका होगा। यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर (यूएसएनएचसी) ने कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े चार बजे इयान ने क्यूबा के तट पर दस्तक दी। क्यूबा की सरकार ने इयान के पहुंचने से पहले ही मुख्य तंबाकू क्षेत्र पिनार डेल रियो प्रांत से 50 हजार से अधिक लोगों को हटा कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। सरकार ने इस द्वीपीय देश में 55 आश्रय स्थल तैयार किये हैं। यूएसएनएचसी ने कहा कि क्यूबा के पश्चिम तट पर इयान के कारण 14 फुट ऊंची लहरें उठ रही हैं।

यूएसएनएचसी के वरिष्ठ विशेषज्ञ डेनियन ब्राउन ने कहा कि क्यूबा को पहले से आशंका थी कि प्रचंड चक्रवात और खतरनाक लहरों के साथ भारी बारिश होगी। क्यूबा से आगे बढ़ने पर इयान के मैक्सिको की खाड़ी में पहुंचने पर और ताकतवर होने की उम्मीद है, जिसके कारण बुधवार को इसके फ्लोरिडा तट पर पहुंचने पर हवाओं की रफ्तार बढ़कर 225 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। फ्लोरिडा के गर्वनर रोन डीसेंटिस ने राज्यव्यापी आपातकाल का ऐलान करते हुए कहा है कि चक्रवात राज्य के बड़े हिस्से पर कहर बरपा सकता है।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने आपातकाल की घोषणा की है। बाइडन ने जानमाल की रक्षा के लिए आंतरिक सुरक्षा विभाग और संघीय आपात प्रबंधन एजेंसी को आपदा राहत कार्य में समन्वय और सहयोग करने के लिए कहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने इयान की वजह से केनेडी स्पेस सेंटर से अपने 'मून रॉकेट' के प्रक्षेपण की दिशा में धीमी गति से आगे बढ़ने की योजना बनाई और कहा है कि परीक्षण उड़ान में विलंब होगा।

## अहमद किदवई ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया आक्रामक

### - पाकिस्तान के पूर्व सैन्य अफसर को है भारत से परमाणु हमले का डर!

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना से रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल और पाकिस्तानी नेशनल कमांड अथॉरिटी के सलाहकार खालिद अहमद किदवई ने भारत के प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब भारत में परमाणु हथियार की ताकत अब देश के हिंदू कट्टरपंथियों के हाथों में है। किदवई ने साउथ एशिया में सामरिक स्थिरता पर हो रहे एक वर्कशॉप के दौरान यह विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में इस समय हिन्दू कट्टरपंथियों के विचारधार वाली सरकार शासन कर रही है। इसलिए परमाणु ताकत भी अब उनके हाथों में है, ऐसे में यह दक्षिण एशिया की स्थिरता को कभी भी भंग कर सकता है। किदवई ने यह भी कह डाला कि हिन्दू कट्टरपंथियों की विचारधार और परमाणु हथियार का कॉम्बिनेशन बहुत खतरनाक साबित हो सकता है। किदवई ने आगे कहा कि भारत में मौजूदा सरकार के कुछ मंत्री यानी अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आरएसएस से है। किदवई ने कहा कि भारत में परमाणु हथियारों के कंट्रोल और ऑपरेशनल फैसलों की जिम्मेदारी इंडियन नेशनल कमांड अथॉरिटी के पास है, जिसमें राजनीतिक परिषद की कमान नरेंद्र मोदी के हाथों में है और कार्य परिषद की कमान अजीत डोभाल के हाथों में है। किदवई ने ब्रह्मोस मिसाइल का क्रैश होना, बालाकोट में एयर स्ट्राइक और मार्च 2022 में मिसाइल गिरने की घटनाओं का उदाहरण लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कहा कि वह हमेशा से परमाणु हथियारों को लेकर आक्रमक रुख में रहे हैं, इनके साथ-साथ उनके मंत्रियों ने भी कई बार भड़काऊ भाषण दिए हैं।

## नौका हादसे में अब तक 68 शव बरामद, 20 अभी भी लापता

ढाका। उत्तरी बांग्लादेश में दो दिन पहले सदियों पुराने मंदिर के दर्शन के लिए हिंदू श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक नौका के पलटने में मरने वालों की संख्या 68 हो गई है। गौरतलब है कि रविवार को दुर्गा पूजा उत्सव की शुरुआत से पूर्व महालया के मौके पर हिंदू श्रद्धालु बोदेश्वरी मंदिर जा रहे थे, तभी देश के उत्तर-पश्चिमी पंचगढ़ जिले में कोरोटो नदी में उन्हें ले जा रही नौका पलट गई। अधिकारियों के मुता?बिक कम से कम 20 यात्री अब भी लापता हैं। एक अखबार की खबरों के मुताबिक स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तीसरे दिन बचाव के प्रयास तेज करने के बाद मंगलवार सुबह देबीगंज और बोडा उपजिला से 18 और शव बरामद किए गए। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि नाव में 150 से अधिक यात्री सवार थे। कुछ लोग तैरकर नदी के किनारे वापस चले गए लेकिन कई अभी भी लापता हैं। ढाका के एक स्थानीय अखबार ने जांच निकाय के प्रमुख के हवाले से कहा ?कि शुरुआती जांच के मुताबिक नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार थे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि नाव के डूबने के पीछे अन्य कारण भी हो सकते हैं, लेकिन इसका खुलासा समिति द्वारा अपनी जांच पूरी करने के बाद किया जाएगा।

## चीन में 'तख्तापलट' की अफवाहों के बीच सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए जिनपिंग, अटकलों पर लगा विराम

बीजिंग । चीन के सतारूढ़ दल के अगले महीने होने वाले अहम अधिवेशन से पहले एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेकर लौटे राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अचानक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आने के बाद शुरू हुई अटकबाजियों पर विराम लग गया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग मंगलवार को सम्युनिस्ट पार्टी की एक प्रदर्शनी में शामिल हुए। उनके बारे में कहा जा रहा था कि एससीओ सम्मेलन से वापस लौटने के बाद उन्हें नजरबंद कर लिया गया है और अब चीन पर सेना का नियंत्रण हो गया है। चीन में सख्त कोविड पालिसी लागू है, इसलिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग एससीओ बैठक में हिस्सा लेकर लौटे तो क्वारेंटाइन में चले गए, जिसे नजरबंदी के रूप में प्रचारित किया गया। अब जबकि वह सार्वजनिक जीवन में एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं, तो इन अटकलों पर विराम लग गया है। उज्बेकिस्तान में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से 16 सितंबर को लौटने के बाद जिनपिंग पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए हैं।

शी ने मंगलवार को पिछले एक दशक में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और देश की महान उपलब्धियों पर एक प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रदर्शनी के दौरे के दौरान जिनपिंग के साथ उनके पार्टी के दूसरे नंबर के नेता और प्रमुख ली केकियांग के साथ-साथ सीपीसी के अन्य शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे। अपने भाषण में शी ने पिछले 10 वर्षों के दौरान सीपीसी और उनके नेतृत्व में चीन की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हमें पिछले 10 वर्षों में रणनीतिक पहल, परिवर्तनकारी प्रथाओं, सफलताओं और ऐतिहासिक उपलब्धियों को व्यापक रूप से प्रचारित करना चाहिए, और पार्टी के इतिहास में पिछले दशक में, नए चीन के इतिहास में महान परिवर्तनों के मील के पत्थर के महत्व को प्रचारित करना चाहिए। चीनी मामलों से वाकिफ लोगों का मानना है कि एससीओ सम्मेलन के बाद जिनपिंग का सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई देना, चीन की जीरो कोविड पॉलिसी के तहत 7 दिन का अनिवार्य क्वारंटाइन था। जिसमे 3 दिन का होम-स्टे भी शामिल है, जिसे दुनिया में हाउस अरेस्ट कह कर प्रचारित किया गया। शी जिनपिंग जीरो कोविड पॉलिसी के प्रबल समर्थक हैं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) ने रविवार को घोषणा की थी कि पार्टी की पांच साल में एक बार आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण कांग्रेस (अधिवेशन) के लिए करीब 2,296 प्रतिनिधियों का निर्वाचन कर लिया गया है। इस कांग्रेस में जिनपिंग को अभूतपूर्व तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन मिलने की उम्मीद है। कांग्रेसअधिवेशन को शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की कड़ी निगरानी में आयोजित किया जा रहा है, जिसे चीनी राष्ट्रपति के विरोध में एक राजनीतिक गुट का हिस्सा भी माना जाता है। इस अधिवेशन की महत्ता को देखते हुए और अपने विरोधियों को चुप कराने के लिए जिनपिंग ने अब तक कई प्रमुख अधिकारियों को मौत की सजा दिलवाई है। जिन अधिकारिओं को मौत की सजा हुई है, उनमें पूर्व सार्वजनिक सुरक्षा उप मंत्री सन लिजुन, पूर्व न्याय मंत्री फू झेंगहुआ और कोर्ट ने जियांगसू के पूर्व अधिकारी वांग लाइके को भ्रष्टाचार के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है, हालांकि ये सभी लोग राष्ट्रपति शी जिनपिंग के कट्टर विरोधी भी माने जाते हैं। शी जिनपिंग ने 2012 में सत्ता में आते हीं भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम छेड़ी थी। जिसके तहत अब तक दर्जनों शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ-साथ दस लाख से अधिक अधिकारियों को दंडित किया गया है। उल्लेखनीय है कि सीपीसी हर पांच साल में एक अधिवेशन का आयोजन करती है।

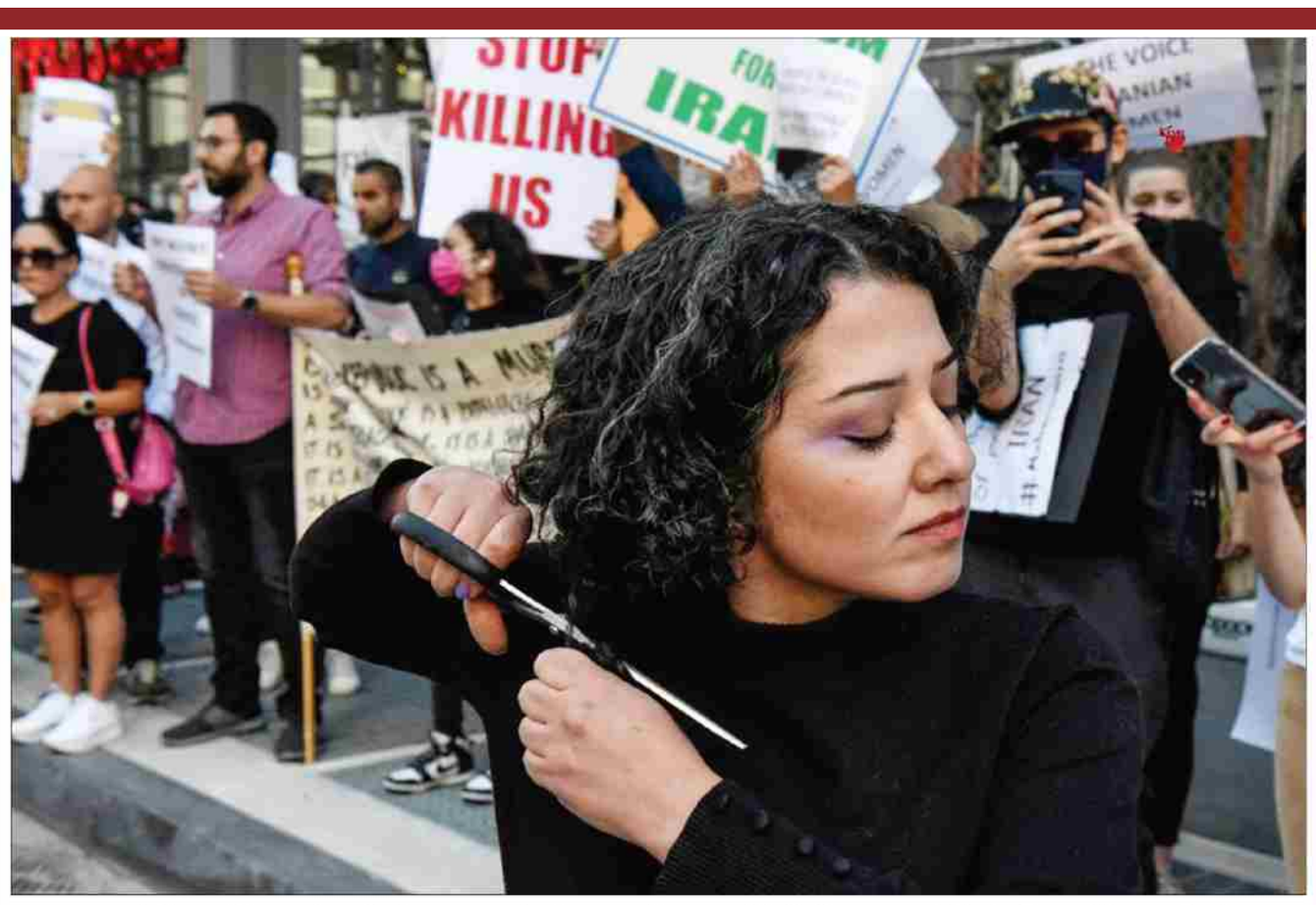


न्यूयार्क में एक महिला अपने बालों को कटवा कर ईरानी सरकार की कटटर नीतियों और मसहा अमीनी की मौत का विरोध करती हुई।

## आतंकी हमले के खतरे की वजह से भारत-पाक सीमा से दूर रहें, कनाडा ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

**टोरंटो ।** कनाडा ने अपने नागरिकों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें नागरिकों को भारत के गुजरात, पंजाब और राजस्थान में पाकिस्तान से लगी सीमाई इलाकों की यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है। लैंडमाइंस की मौजूदगी और अप्रत्याशित सुरक्षा स्थिति के चलते कनाडा ने अपने लोगों को यह सलाह दी है। एडवाइजरी के अनुसार गुजरात, पंजाब और राजस्थान में पाकिस्तान के साथ लगती सीमा के 10 किमी के क्षेत्र में अप्रत्याशित सुरक्षा स्थिति और लैंडमाइंस की मौजूदगी के चलते किसी भी तरह की यात्रा करने से बचें। कनाडाई सरकार ने यह ट्रैवल एडवाइजरी अपनी वेबसाइट पर जारी की है जिसे आखिरी बार 27 सितंबर को अपडेट किया गया था। इसमें नागरिकों से 'आतंकवादी हमलों के खतरे' के चलते पूरे भारत में बेहद सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। इसमें लोगों से 'आतंकवाद और विद्रोह के खतरे' की वजह से असम और मणिपुर की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की अपील की गई है। इससे पहले 23 सितंबर को भारत ने भी कनाडा में रहने वाले अपने नागरिकों और छात्रों के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी। विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को कनाडा में बढ़ती घृणा, अपराध, नस्ली हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों के बीच सतर्क रहने के लिए कहा था।

# तालिबान की चेतावनी! अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप ना करें पाकिस्तान

### शहबाज शरीफ और बिलावल भुट्टो हद में रहें

**तालिबान (एजेंसी)।**

हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बिलावल भुट्टो ने अपने पड़ोसी देश तालिबान पर टिप्पणी की थी। अब तालिबान सरकार ने पाकिस्तान पर निशाना साझते हुए जवाब दिया है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों की मौजूदगी का दावा किया था। इस पर अफगानिस्तान के राजनीतिक मामलों के उप विदेश मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई ने पाकिस्तान से अफगानिस्तान के आंतरिक मुद्दों में हस्तक्षेप बंद करने का आह्वान किया। उन्होंने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप ना करें पाकिस्तान।

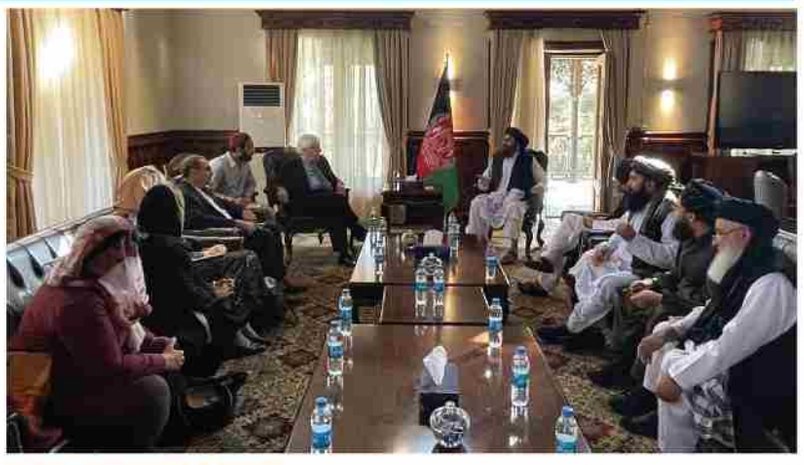

#### अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में दखल देना बंद करे पाकिस्तान

अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों की उपस्थिति का दावा करने वाले पाकिस्तानी प्रधान मंत्री शाहबाज शरीफ की टिप्पणी का जिक्र करते हुए, स्टेनकजई ने कहा कि इस्लामिक अमीरात दावों से इनकार करता है और निंदा करता है और किसी को भी अफगानिस्तान के प्रति इस तरह के बयान देने की अनुमति नहीं देगा।

#### तालिबान ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

उन्होंने कहा हमने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के बयान की कड़ी निंदा की। हम किसी को भी इस्लामिक अमीरात के खिलाफ बोलने की इजाजत नहीं देते। अगर पाकिस्तान को आर्थिक समस्या है और उसे इंटरनेशनल मॉनिटरिंग फंडिंग की काली सूची में डाल दिया जाता है, तो कोई भी उन्हें पैसे देने के लिए कॉल नहीं करता है। यदि आपको (पाकिस्तान) ऋण नहीं दिया जाता है, तो यह आपकी समस्या है -किसी भी तरह से अपना रास्ता खोजें, लेकिन अफगानिस्तान के लोगों की गरिमा के बारे में बात न करें और केवल कुछ पैसे कमाने के लिए अफगानिस्तान को बदनाम न करें।

स्टेनकजई ने अफगान हवाई क्षेत्र में ड्रोन गतिविधि की आलोचना करते हुए कहा कि इस बात के सबूत हैं कि ये ड्रोन कहां स्थित हैं। उन्होंने अमेरिका पर दोहा समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। स्टेनकजई ने कहा कि 'सरकार समावेशी है' और किसी को भी अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।

## सैन्य उपकरणों की मरम्मत व कल-पुर्जों की आपूर्ति को लेकर हमें रूस के साथ कोई समस्या नहीं : जयशंकर

**वाशिंगटन। (एजेंसी)।**

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध के बाद से उसे सैन्य उपकरणों की मरम्मत व कल-पुर्जों की आपूर्ति को लेकर रूस के साथ काम करने में कोई कठिनाई पेश नहीं आई। जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा जहां तक रूस से आने वाले सैन्य उपकरणों की बात है मेरी जानकारी में इस संबंध में हाल के महीनों में किसी विशेष समस्या का सामना नहीं करना पड़ा।

उन्होंने कहा हमें हमारे सैन्य उपकरण कहां से मिलते हैं, यह समस्या नहीं है, वास्तव में भू-राजनीतिक तनाव के कारण यह मुद्दा खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया भर में संभावनाओं को देखता है। जयशंकर ने कहा हम प्रौद्योगिकी व क्षमता की गुणवत्ता, उन शर्तों को देखते हैं जिसके तहत विशेष उपकरण दिए जाते हैं और हम हमेशा उस विकल्प को चुनते हैं जो हमें लगता है कि हमारे राष्ट्रीय हित में है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल में भारत ने अमेरिका से भी काफी कुछ खरीदा है। मंत्री ने कहा उदाहरण के लिए विमान सी-17, सी-130, पी-8 या अपाचे हेलीकॉप्टर या चिनूक या होवित्ज़र, एम777 होवित्ज़र, साथ ही हमने फ्रांस से भी काफी कुछ लिया है जैसे राफेल विमान। हमने इज़राइल से भी काफी कुछ खरीदा है। हमारी अलग-अलग जगह से वस्तुएं लेने की नीति रही है। हमारा जोर इसी बात पर रहता है कि प्रतिस्पर्धी स्थिति में हम अपने देश के लिए बेहतरीन सौदा कैसे कर पाएं।

## बाइडेन प्रशासन का कहना है कि भारत और पाकिस्तान अलग-अलग तरीकों से अमेरिकी साझेदार हैं

**वाशिंगटन (एजेंसी)।**

बाइडन प्रशासन ने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों अलग-अलग तरह से अमेरिका के साझेदार हैं। बाइडन प्रशासन ने यह बात अमेरिका के दौरे पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के उस बयान के एक दिन बाद कही है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को नवीनतम अमेरिकी एफ-16 सुरक्षा सहायता देने के फैसले को लेकर सवाल उठाए थे। जयशंकर ने अमेरिका के इस तर्क पर सवाल उठाया था कि एफ-16 लड़ाकू विमानों के रखरखाव से संबंधित पाकिस्तान को दिया जाने वाला पैकेज आतंकवाद से लड़ने के लिए है। जयशंकर ने कहा था कि हर कोई जानता है कि एफ-16 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कहां और किसके खिलाफ किया जाता है। भारतीय-अमेरिकियों के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, आप ये बातें कहकर किसी को मूर्ख नहीं बना रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम पाकिस्तान और भारत के साथ अपने संबंधों को एक नजरिए से नहीं देखते। दोनों अलग-अलग तरह से हमारे साझेदार हैं। उन्होंने कहा, हम दोनों को साझेदार के रूप में देखते हैं, क्योंकि कई मामलों में हमारे साझा मूल्य हैं। हमारे कई मामलों में साझा हित हैं और भारत के साथ हमारे संबंध अलग हैं। पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते अपनी जगह हैं। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन के प्रशासन ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने पर रोक लगाने से संबंधित पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के फैसले को बदलते हुए

## अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगे तमाम प्रतिबंधों के बावजूद बाज नहीं आ रहा उत्तर कोरिया, फिर किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

**कोरिया (एजेंसी)।**

उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच का तनाव आज की घटना नहीं हैं बल्कि इसका एक लंबा इतिहास हैं। जहां उत्तर कोरिया में तानाशाही हैं, हथियारों की होड़ लगी रहती है, मानवीय अधिकारों का कोई मोल नहीं होता वहीं इसके विपरीत दक्षिण कोरिया लोकतंत्र में विश्वास रखता हैं। समय-समय पर एक ही भू भाग में रहने वाले अलग-अलग देशों के बीच वाद-विवाद देखा जाता हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तमाम प्रतिबंधों के बावजूद किम जोंग उन के शासन में उत्तर कोरिया लगातार समय समय पर बैलिस्टिक मिसाइल का परिक्षण करता रहता है।

हाल ही में उत्तर कोरिया ने फिर से बैलिस्टिक मिसाइल का परिक्षण किया जिसकी पुष्टि अब दक्षिण कोरिया ने की है। एक बयान में दक्षिण कोरिया ने कहा कि उत्तर कोरिया ने उसके पूर्वी जल क्षेत्र की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। दक्षिण कोरिया ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया ने अमेरिकी

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की यात्रा से एक दिन पहले अपने पूर्वी जल क्षेत्र की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने कहा कि मिसाइल का प्रक्षेपण बुधवार को किया गया लेकिन इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। इस सप्ताह उत्तर कोरिया द्वारा दागी गई यह दूसरी मिसाइल है। हैरिस को दक्षिण कोरिया की अपनी यात्रा के दौरान प्रतिद्वंद्वी कोरिया को अलग करने वाले विसैन्यीकृत क्षेत्र का दौरा करना है। अमेरिका और दक्षिण कोरियाई नौसेना के जहाजों के कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर अभ्यास करने के बीच उत्तर कोरिया ने यह प्रक्षेपण किया है।

# रूस आलोचनाओं के बावजूद यूक्रेन के कब्जे वाले इलाकों के विलय को तैयार

**कीव। (एजेंसी)।**

रूस पड़ोसी देश यूक्रेन के उन हिस्सों को औपचारिक रूप से अपने क्षेत्र में मिलाना चाहता है जहां उसका सैन्य नियंत्रण है। खबरों के अनुसार, इन इलाकों में जनमत संग्रह में मॉस्को के शासन का समर्थन किया गया है। हालांकि जनमत संग्रह की व्यापक रूप से आलोचना हुई है और रूस पर अपने पड़ोसी देश पर हमले को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बना हुआ है। दक्षिण और पूर्वी यूक्रेन के रूस के कब्जे वाले चारों क्षेत्रों के मॉस्को समर्थक प्रशासन ने मंगलवार रात कहा कि उनके नागरिकों ने रूस द्वारा पांच दिन तक कराये गये जनमत संग्रह में रूस में शामिल होने के लिए मतदान किया है।

रूस के निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, जापोरिज्जिया में 93 प्रतिशत मतदान विलय के समर्थन में हुआ, वहीं खेरसॉन में 87 प्रतिशत, लुहांस्क में 98 प्रतिशत और दोनेत्स्क में 99 प्रतिशत लोगों ने इन हिस्सों के रूस में विलय का समर्थन किया। इन कब्जे वाले क्षेत्रों में रूसी अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि वे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इन इलाकों को रूस में मिलाने को कहेंगे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रशासनिक प्रक्रिया किस दिशा में बढ़ेगी। हालांकि, पश्चिमी देशों ने जनमत संग्रह को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि यूक्रेन पर 24 फरवरी को शुरू हुए रूस के हमले को वैधता प्रदान करने की कोशिश में मॉस्को यह निरर्थक कवायद कर रहा है। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसफ बोरेल ने बुधवार को जनमत संग्रह को अवैध करार दिया। कीव में यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने जनमत संग्रह पर निशाना साधते हुए इसे दुष्प्रचार का नाटक करार दिया।

आलोचनाओं के बीच क्रेमलिन पर कोई असर पड़ता नहीं दिखा। बहरहाल, उसके प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस बहुत कम समय के भीतर पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र से यूक्रेन के बलों को बाहर करना चाहता है जहां मॉस्को के सैनिकों और अलगाववादी तत्वों ने क्षेत्र के करीब 60 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा जमा रखा है।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस से जर्मनी के बीच दो भूमिगत प्राकृतिक गैस पाइपलाइन को मंगलवार को नुकसान पहुंचने की खबरों पर भी नाराजगी प्रकट

की और यूरोप के ऊर्जा नेटवर्क पर किसी भी तरह के हमले की स्थिति में प्रतिरोधी कार्रवाई की चेतावनी दी। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने बुधवार को कहा कि समस्त उपलब्ध सूचनाएं इस ओर इशारा करती हैं कि तेल रिसाव जानबूझकर की गयी गड़बड़ी का परिणाम है, हालांकि अभी तक इसे अंजाम देने वालों की पहचान नहीं हुई है।

# टी20 रैंकिंग में सूर्य कुमार यादव ने बाबर आजम को पछाड़ा, नंबर वन के करीब पहुंचे, 13वें स्थान पर रोहित शर्मा

**दुबई (एजेंसी)।**

भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव अपनी प्रतिभा का लगातार छाप छोड़ रहे हैं। यही कारण है कि उनकी बल्लेबाज लगातार निखरती जा रही है और उनके बल्ले से खूब रन भी आ रहे हैं। सूर्यकुमार यादव लगातार बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे हैं। आईसीसी की ओर से बुधवार को जारी टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव फिर से दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। भारत के लिए मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार यादव पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पछाड़ते हुए दूसरे नंबर पर जगह बनाई है। नंबर एक पर पाकिस्तानी विकेटकीपर बैटर मोहम्मद रिजवान अभी भी काबिज हैं। रिजवान के पास जहां 861 अंक हैं तो वहीं सूर्यकुमार यादव के पास 801 अंक हैं। बाबर आजम के पास 799 हैं।

गौर करने वाली बात तो यह भी है कि आईसीसी की रैंकिंग में टॉप टेन में शामिल भारतीय बल्लेबाज सिर्फ सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्यकुमार यादव के बाद सीधे नाम रोहित शर्मा का आता है जो 613 अंकों के साथ 13वें स्थान पर मौजूद हैं। हाल के दिनों में विराट कोहली के बल्ले से कुछ रन निकले हैं। यही कारण है कि उनकी रैंकिंग में सुधार हुआ है। वह अब 15वें स्थान पर आ गए हैं। विराट कोहली के पास 606 अंक हैं। रैंकिंग में सबसे ज्यादा नुकसान केएल राहुल और ऋषभ पंत को हुआ है। केएल राहुल फिलहाल टी20 रैंकिंग में 22 वें स्थान पर हैं। वहीं ऋषभ पंत भी 70 वें नंबर पर फिसल गए हैं।

वही आलोचनाओं का लगातार सामना कर रहे हैं अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार टी20 रैंकिंग में अकेले ऐसे गेंदबाज हैं जो के टॉप टेन में शामिल हैं। हालांकि, ताजा रैंकिंग में उन्हें 1 अंक का नुकसान झेलना पड़ा है। वह फिलहाल दसवें नंबर पर हैं। अक्षत पटेल ने रैंकिंग में जबरदस्त छलांग लगाई है। अब वह 18 वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अक्षर पटेल बेहतरीन फॉर्म में भी नजर आ रहे हैं। उन्हें टीम इंडिया में रविंद्र जडेजा की जगह खेलने का मौका मिल रहा है। रविंद्र जडेजा फिलहाल चोटिल हैं। टी 20 विश्व कप में भी अक्षर पटेल रविंद्र जडेजा की जगह शामिल हुए हैं।

## फीफा ने छेत्री को किया सम्मानित, उनके जीवन और करियर पर जारी की सीरीज

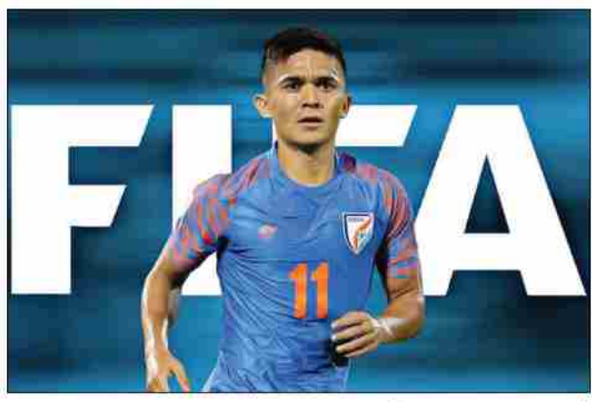


**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने भारतीय फुटबॉल टीम के करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री को सम्मानित करते हुए उनके जीवन और करियर पर तीन कड़ी (एपिसोड) की श्रृंखला जारी की। फीफा ने घोषणा की कि यह तीन कड़ी की श्रृंखला उनके स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म 'फीफा प्लस' पर उपलब्ध होगी।

फीफा ने अपने विश्व कप हैंडल से ट्वीट किया, 'आपको रोनाल्डो और मेस्सी के बारे में सब कुछ पता है, अब सक्रिय पुरुष खिलाड़ियों में तीसरे सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी की कहानी जानिए। सुनील छेत्री- कैप्टन फेंटास्टिक अब फीफा प्लस पर उपलब्ध है।'

भारत के 38 साल के छेत्री 84 गोल के साथ सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे अधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में उनसे अधिक गोल सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (117) और लियोनल मेस्सी (90) ने ही किए हैं। पहली कड़ी के बारे में फीफा ने कहा, 'पहली कड़ी हमें वापस वहां ले जाएगी जहां से इसकी शुरुआत हुई... 20 साल की उम्र में उनके भारत की ओर से पदार्पण करने से पहले की कहानी। करीबी साथी, प्रियजन और फुटबॉल के साथियों ने कहानी सुनाने में मदद की- इसके अलावा वह स्वयं भी, उन्हें प्यार से कप्तान, लीडर और लीजेंड भी कहा जाता है।'

दूसरी कड़ी में राष्ट्रीय टीम की ओर से छेत्री के शानदार प्रदर्शन और उनके शीर्ष स्तरीय विदेशी क्लबों की ओर से पेशेवर फुटबॉल खेलने के सपने का जिक्र है। तीसरी कड़ी में छेत्री अपने पेशेवर करियर के शीर्ष पर पहुंचते हैं और उनकी निजी जिंदगी की जानकारी है। ट्रॉफी और रिकॉर्ड को भी जिक्र है। छेत्री ने 2005 में भारत के लिए पदार्पण करने के बाद से 131 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

## नसीम बीमार होने पर अस्पताल में भर्ती, नहीं खेलेंगे इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टी20

**कराची। (एजेंसी)।**

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह को गंभीर वायरल संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया जिससे वह बुधवार को लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाएंगे। नसीम की पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए अंतिम एकादश में जगह लगभग पक्की थी लेकिन मंगलवार देर रात स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद इस युवा खिलाड़ी को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वह हालांकि अब बेहतर महसूस कर रहे हैं, लेकिन सात मैचों की श्रृंखला के बाकी बचे मैचों में उनकी भागीदारी संदेह के घेरे में है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बयान में कहा, '' उन्हें वायरल संक्रमण के कारण अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन अब वह बेहतर महसूस कर रहे हैं।'' बयान के मुताबिक, ''वह आज रात नहीं खेलेंगे और बाकी मैच खेलने के बारे में कोई फैसला चिकित्सा समिति की सलाह पर लिया जाएगा।'' टीम से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि उनकी डेंगू के लिए भी जांच हुई है और उसके नतीजे का इंतजार है। पिछले एक महीने से शहर में डेंगू के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है और हर दिन हजारों लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। नसीम ने श्रृंखला का शुरूआती मुकाबला खेला था लेकिन इसके बाद वह तीन मैच में एकादश से बाहर रहे। यह 21 साल का गेंदबाज पाकिस्तान की टी20 विश्व कप टीम का भी हिस्सा है। पाकिस्तान और इंग्लैंड की टीमें कराची में चार मैच खेलने के बाद बाकी के तीन मैचों के लिए लाहौर पहुंची है। श्रृंखला अभी 2-2 से बराबरी पर है।

## बीसीसीआई ने इंग्लैंड में भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज का प्रस्ताव खारिज किया, ईसीबी ने की थी पेशकश

**मुबई (एजेंसी)।**

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट सीरीज इंग्लैंड में आयोजित करने के इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। दोनो देशों के बीच तनाव के कारण पिछले 15 सालों से एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला जा सका है। आईसीसी टूर्नामेंटों में ही इन दोनो देशों के बीच मुकाबले होते हैं।

साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने की बातें सामने आने के बाद दोनो देशों के बीच संबंध और खराब हुए हैं। इसी कारण भारत ने पाक से द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेलने से इंकार कर दिया था। वहीं अब ईसीबी ने दोनो के बीच द्विपक्षीय

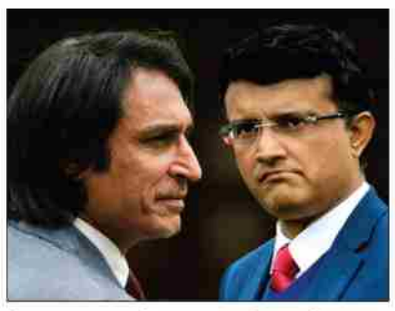

टेस्ट सीरीज की मेजबानी करने की औपचारिक पेशकश की है पर बीसीसीआई ने कहा है कि इस प्रकार की कोई सीरीज अभी संभव नहीं है। ईसीबी के उपाध्यक्ष मार्टिन डार्लो ने टी-20 सीरीज के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ बातचीत की और भविष्य में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज इंग्लैंड के मैदानों पर आयोजित करने की पेशकश की।

वहीं ईसीबी की इस पेशकश पर बीसीसीआई ने इस पर कहा कि अगले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच मैच कराए जाने की कोई संभावना नहीं है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि पाक के खिलाफ सीरीज का फैसला बीसीसीआई नहीं बल्कि केन्द्र सरकार करेगी। इसमें अभी यथास्थिति बनी हुई है। इसलिए हम पाक के खिलाफ केवल बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ही उतरेंगे।'' भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार द्विपक्षीय सीरीज साल 2012 में भारत में खेली थी. यह सीमित ओवरों की सीरीज थी जबकि दोनों देशों के बीच अंतिम बार टेस्ट श्रृंखला साल 2007 में खेली गई थी।

## टी20 विश्व कप 2022: मार्क वॉ ने शीर्ष पांच खिलाड़ियों को चुना, लिस्ट में एक भारतीय भी

**मेलबर्न (एजेंसी)।**

ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे पूर्व सलामी बल्लेबाज मार्क वॉ ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपने शीर्ष पांच खिलाड़ियों में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह को जगह दी है। बुमराह ने पीठ की चोट से उबरने के बाद हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की टी20 श्रृंखला में वापसी की जिसे भारत ने 2-1 से जीता। बेंगलुरू की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन से गुजरने वाले 28 साल के बुमराह पूरी तरह से फिट नजर आए लेकिन उन्होंने अभी अपनी पुरानी लय हासिल नहीं की है। वॉ ने अंतरराष्ट्रीय किकेट परिषद की वेबसाइट से कहा, 'मुझे लगता है कि वह सभी प्रारूपों में शानदार गेंदबाज है। टी20 क्रिकेट में उसकी विकेट हासिल करने की क्षमता महत्वपूर्ण है। वह डेथ ओवरों में गेंदबाजी कर सकता है और शुरुआती ओवर भी फेंक सकता है।'

## घुटने की सर्जरी से उबर रहे जडेजा

**नई दिल्ली ।** टीम इंडिया के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा घुटने की सर्जरी के बाद से ही उससे उबरने का प्रयास कर रहे हैं। जडेजा इसी कारण अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप से भी बाहर हैं। जडेजा का एक वीडियो आजकल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह धीरे-धीरे चलने का प्रयास कर रहे हैं। शेयर किए गए वीडियो में वह सफेद टी शर्ट और काली हाफ पैंट में नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनके दाएं घुटने में एक बैंडेज लगा हुआ है। इससे साफ है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा क्योंकि फिटनेस हासिल करने के लिए अभी उन्हें रिहैब की कड़ी प्रक्रिया से गुजरना है। जडेजा के रिहैब की यह प्रक्रिया बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में चल रही है। वह घुटने की सर्जरी के बाद से ही खेल से दूर हैं।

## जयवर्धने और जहीर को मुंबई इंडियंस में अहम पद मिले

**नई दिल्ली।** श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने और भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब मुंबई इंडियंस की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। मुंबई के पास अब आईपीएल के अलावा दो अन्य टीमें एमआई केप टाउन और एमआई अमीरात भी हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी ने जयवर्धने को ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस और जहीर को ग्लोबल हेड ऑफ क्रिकेट डेवलपमेंट के पद पर नियुक्त किया है। रो के पास अब नई भूमिका में खिलाड़ियों के विकास की जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को भी परखने का अवसर रहेगा। जहीर अन्य दोनों टीमों के लिए भी यही भूमिका अदा करेंगे। वहीं जयवर्धने के पास रणनीति से लेकर हाई परफॉर्मेंस इको-सिस्टम बनाने तक की जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा वह तीनों टीमों के मुख्य कोचों को दिशा निर्देश भी देंगे। इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर वह टीम के साथ अपना अनुभव भी साझा करेंगे। फ्रेंचाइजी क्रिकेट को एक नया आयाम देने में जुटी हुई है। ऐसे में जहीर और जयवर्धने को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

## प्रो लीग मुकाबले से हमें स्पेन को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी: मनप्रीत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारत अगले महीने एफआईएच प्रो लीग के नए सत्र में स्पेन की मेजबानी करेगा और कप्तान मनप्रीत सिंह इस अवसर का उपयोग भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले 2023 पुरुष हॉकी विश्व कप से पहले अपने प्रतिद्वंद्वियों को बेहतर तरीके से समझने के लिए करना चाहते हैं।

भारत 28 अक्टूबर को भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में प्रो लीग के पहले मैच में न्यूजीलैंड से खेलेगा। इसके बाद 30 अक्टूबर को स्पेन के खिलाफ दूसरा मैच होगा। एक ही पूल में मौजूद भारत और स्पेन 13 जनवरी को राउरकेला के नवनिर्मित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में विश्व कप के पहले मैच में आमने सामने होंगे।

मनप्रीत ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'यह बहुत अच्छा है कि हमें प्रो लीग मुकाबले में अभी स्पेन के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। यह हमें उनके खेल को समझने का मौका देगा और हमें पता चलेगा कि एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व

कप भुवनेश्वर-राउरकेला 2023 के पहले मैच में उनसे फिर से भिड़ने से पूर्व हमें क्या सुधार करने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर हॉकी के लिए यह रोमांचक समय है और मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर से प्रशंसक हमारे अभियान का समर्थन करने के लिए राउरकेला और भुवनेश्वर आएंगे।' विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर मौजूद टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत को पूल डी में इंग्लैंड (छठे), स्पेन (आठवें) और पदार्पण करने वाले वेल्स (16वें) के साथ रखा गया है। स्पेन के बाद भारत अपना दूसरा मैच 15 जनवरी को इंग्लैंड के खिलाफ राउरकेला में खेलेगा। इसके बाद टीम राजधानी भुवनेश्वर जाएगी जहां उनका सामना 19 जनवरी को अपने अंतिम ग्रुप मैच में वेल्स से होगा।

विश्व कप में स्पेन के खिलाफ मैच नवनिर्मित राउरकेला स्टेडियम में भारतीय टीम का पहला मैच होगा जिसे दुनिया का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम माना जा रहा है। मनप्रीत ने कहा, 'हम सभी ने अनुभव किया है कि भुवनेश्वर के कलिंग हॉकी स्टेडियम में माहौल कितना शानदार हो सकता है और मैंने सुंदरगढ़ के टीम के अपने साथियों से सुना है कि इस क्षेत्र के प्रशंसक सभी मुकाबलों के लिए बड़ी संख्या में राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में आने की उम्मीद कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेलना काफी अविश्वसनीय होगा जो 20 हजार से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता वाला देश का सबसे बड़ा स्टेडियम होगा।'

## विश्व चैंपियन कार्लसन ने नीमैन पर धोखेबाजी का आरोप लगाया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

शतरंज विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने साथी ग्रैंडमास्टर हेन्स नीमैन पर उन्होंने जितना स्वीकार किया उससे अधिक धोखेबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह ऐसे किसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ नहीं खेलेंगे जो इस तरह के गलत काम में लिप्त हो। कार्लसन ने सोमवार देर रात बयान जारी किया जिससे एक हफ्ते पहले वह जूलियस बेयर जेनरेशन कप में इस अमेरिकी के खिलाफ सिर्फ एक चाल के बाद मुकाबले से हट गए थे। इससे पहले नॉर्वे के 31 साल के कार्लसन नीमैन के खिलाफ हैरान करने वाली हार के बाद सेंट लुई में सिंकफील्ड कप से भी हट गए थे। कार्लसन ने लिखा, ''मेरा मानना है कि नीमैन ने हाल के समय में बहुत अधिक धोखेबाजी की है, जितना उसने सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया है उससे भी अधिक।'' उन्होंने कहा, ''उसकी प्रगति असामान्य रही है और सिंकफील्ड कप में हमारी बाजी के दौरान मुझे यह अहसास हुआ कि वह बिलकुल भी तनाव में नहीं है और यहां तक कि अहम लम्हों पर खेल पर पूरी तरह से ध्यान भी केंद्रित नहीं कर रहा था।

## लियोनेल मेस्सी के 2 गोल से अर्जेन्टीना ने जमैका को 3-0 से हराया

**हैरिसन (अमेरिका)।** लियोनेल मेस्सी के दो गोल की बदौलत अर्जेन्टीना ने फुटबॉल विश्व कप से पूर्व अपने अंतिम अभ्यास मैच में मंगलवार को यहां जमैका को 3-0 से हराया। मेस्सी ने दो गोल किए और इस दौरान 2 बार प्रशंसक मैदान पर घुस आए। इस जीत से साथ अर्जेन्टीना का अजेय अभियान 35 मैच का हो गया है। टीम ने पिछले तीन साल में कोई मुकाबला नहीं गंवाया है। अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कालोनी ने कहा कि आपको मेस्सी का लुत्फ उठाना होगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका देश कौन सा है, हर कोई यही करता है। मैं उनका कोच हूं लेकिन मैं उन्हें देखने के लिए टिकट खरीदूंगा। जूलियन अल्वारेज ने 13वें मिनट में अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। मेस्सी 56वें मिनट में मैदान पर उतरे और उन्होंने 86वें और 89वें मिनट में गोल दागकर अर्जेन्टीना की आसान जीत सुनिश्चित की। मेस्सी के 164 अंतरराष्ट्रीय मैच में 90 गोल हो गए हैं। उन्होंने करियर में 17वीं बार किसी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में एक से अधिक गोल किए।

## बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में सिंधु छठे और लक्ष्य नौवें स्थान पर बरकरार, प्रणय शीर्ष 15 में पहुंचे

**नई दिल्ली ।** भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) रैंकिंग में शीर्ष दस में बनी हुई हैं। सिंधु ने फिट नहीं होने के कारण जापान ओपन और विश्व चैम्पियनशिप में भाग नहीं लिया था। इसके बाद भी वह छठे स्थान पर बनी हुई हैं। महिला वर्ग में ही अनुभवी खिलाड़ी साइना नेहवाल एक स्थान ऊपर आकर 31वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। वहीं पुरुष वर्ग में एच एस प्रणय को भी विश्व चैंपियनशिप और जापान ओपन में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है और वह एक पायदान ऊपर आकर शीर्ष 15 में पहुंच गये हैं। वहीं युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन नौवें स्थान पर बने हुए हैं। किदांबी श्रीकांत को भी एक स्थान का लाभ हुआ है और वह 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पहले की तरह आठवें स्थान पर बनी हुई है। इसके अलावा एमआर एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी को विश्व चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का लाभ मिला है। यह जोड़ी तीन स्थान उछलकर 23वें स्थान पर पहुंच गई है। महिला युगल वर्ग में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी 23वें स्थान पर पहुंच गयी है। इस जोड़ी को विश्वचैम्पियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के कारण दो स्थान का लाभ मिला है।

## भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर, शमी कोविड-19 जांच में नेगेटिव

**नई दिल्ली :** भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण जांच में नेगेटिव होने की जानकारी दी। शमी 10 दिन पहले इस बीमारी की चपेट में आए थे। 32 साल के इस गेंदबाज ने इंस्टाग्राम पर अपनी नेगेटिव रिपोर्ट पोस्ट की। इससे कुछ घंटे पहले ही बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए शमी की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव को टीम में शामिल किया।

# पहली बार मिताली और झूलन के बिना टीम इंडिया खेलेगी एशिया कप

**बेंगलुरु (एजेंसी)।**

राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली युवा भारतीय महिला टीम पहली बार मिताली राज और झूलन गोस्वामी के बिना पहली बार एशिया कप खेलने मैदान पर उतरेगी। हालांकि हरमनप्रीत कौर का यह बतौर कप्तान दूसरा एशिया कप होगा।

झूलन गोस्वामी की क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वह नेट में भी आक्रामक गेंदबाजी करती थी और उनके सामने अकसर बल्लेबाजी करते हुए उनकी लंबे समय की साथी और कप्तान मिताली राज हुआ करती थीं।अब इन दोनों महान क्रिकेटरों के बिना भारत को एशिया कप खेलना है।

जुलाई में अपने करिश्माई करियर को अलविदा कहने वाली भारत की शानदार महिला बल्लेबाज मिताली ने महान तेज गेंदबाज झूलन का 'पूर्व क्रिकेटरों के क्लब' में स्वागत किया। झूलन का विदाई मैच इंग्लैंड के खिलाफलार्ड्स पर शनिवार को खेला जा रहा भारत का तीसरा और अंतिम वनडे होगा।

दो दशक तक साथ में 'ड्रेसिंग रूम' साझा करने वाली मिताली और झूलन ने भारत में महिला क्रिकेट के विकास को देखा है, दोनों यादगार जीत में साथी रही हैं और दोनों ने कुछ बुरी हार भी देखी हैं।

झूलन के अनंत प्रभाव, लंबे समय तक खेलने और इतने वर्षों के अथक परिश्रम पर बात करते हुए मिताली ने 'चकदा एक्सप्रेस' के शुरूआती दिनों से बातचीत शुरू की जब वह 19 साल थी और भारतीय टीम में शामिल हुई थीं।

मिताली ने कहा, ''हम हमउम्र हैं, इसलिये हम दोनों काफी सहज रहती और हमारी बातचीत भी ऐसी ही होती। उनसे बात करना बहुत आसान रहता। वह हमेशा मैदान पर ऊर्जा से भरी रहती थीं, शायद इसलिये कि वह तेज गेंदबाज हैं।''

झूलन (39 वर्ष) अपने अथक समर्पण की बदौलत ही वनडे में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाली गेंदबाज बनीं। हालांकि 'स्विंग' उनका सबसे बड़ा हथियार नहीं था लेकिन अपनी सटीक गेंदबाजी और सीम के बखूबी इस्तेमाल से वह इतने सारे विकेट अपनी झोली में डालने में सफल रहीं।

मिताली ने याद करते हुए कहा कि नेट में भी उनका प्रतिस्पर्धी भाव दिखायी देता था।उन्होंने कहा, ''नेट पर मैं अकसर उनसे कहती, 'तुम गेंदबाजी में इतनी आग क्यों उगलती हो (आक्रामक गेंदबाजी करती हो), आखिर मैं तुम्हारी साथी ही हूं

ना।' फिर वह कहतीं, 'तुम्हें आउट करना सबसे मुश्किल है'। वह हमेशा प्रतिस्पर्धी रहतीं, घरेलू क्रिकेट में भी, जिसमें भी हम अकसर एक दूसरे के खिलाफ खेलते थे। मुझे इस प्रतिद्वंद्विता में भी मजा आता था।''

# किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार के प्रयास लगातार जारी : मंत्री शर्मा

**अनुगामिनी नि.सं.**

गेजिंग, 28 सितम्बर । सिक्किम के कृषि, बागवानी व पशुपालन मंत्री लोक नाथ शर्मा ने आज पश्चिम सिक्किम के गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के हीमार्तम और गेजिंग प्रखंड क्षेत्र के गेजिंग ओमचुंग, बर्मेक बर्थांग, मार्तम, चिन्थाग, हीपाताल के स्थानीय लोगों में आवास मरम्मत एवं शीट वितरण हेतु ऑर्डर तथा आवास विकास चेक का वितरण किया।

सिक्किम सरकार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के सलाहकार दुर्गा प्रसाद प्रधान, रंगीत नगर अध्यक्ष राम कुमार छेत्री, हीमार्तम बीडीओ कैलाश गुरूंग, गेजिंग बीडीओ बिजय कुमार सुब्बा, एसकेएम पार्टी के पश्चिम जिलाध्यक्ष एबी सुब्बा के अलावा अन्य कई अधिकारी एवं लाभान्वित उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंत्री शर्मा ने मौजूदा राज्य सरकार द्वारा इस प्रकार लगातार सुविधाएं प्रदान किये जाने की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान पूरे राज्य में चल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इस वर्ष से शुरू की गई 'आमा योजना' को भी लागू किया जा रहा है जिसके अंतर्गत सभी माताओं के बैंक खातों में धनराशि जमा की जाती है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष इन योजनाओं से गेजिंग बर्मेक की 500 माताओं को लाभ मिल रहा है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी और महिलाओं को इसका लाभ प्रदान करने देने का आश्वासन दिया।

वहीं मंत्री शर्मा ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार द्वारा किये गये कार्यों से सभी अवगत हैं। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर पर किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से इसका लाभ उठाने को कहा। इसके अलावा मौजूदा सरकार मजदूर वर्ग के लोगों के लिए 15000 रुपए न्यूनतम वेतन की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बागवानी, पशुपालन, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में सरकार द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों का भी बखान किया।

मंत्री शर्मा ने विकास योजनाओं बारे में बोलते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क सम्पर्क, मेधावी कौशल विश्वविद्यालय भवन, खेल मैदान, खेल अकादमी आदि बनकर तैयार हो चुके हैं।

वहीं चंदाबुंग में नये ग्राम प्रशासन केंद्र, क्रांतिकारी बाजार, बूढ़ा नीलकंठ जैसी बुनियादी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में उन्होंने मौजूदा सरकार और पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए कार्यों पर विचार करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में हीमार्तम और गेजिंग बीडीओ ने भी वितरित की गयी सुविधाओं की जानकारी दी।

# टीका लगाते समय उचित मंत्र का करें पाठ : उप्रेती

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 28 सितम्बर । सिक्किम अकादमी की ओर से आज स्थानीय सर ताशी नामग्याल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छठे पदमसिंह सुब्बा 'अपतन ' व्याखानमाला, 2022 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष अरुण उप्रेती ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पारंपरिक पोशाक पहनने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने सभी से त्योहारों के दौरान टीका लगाते समय उचित मंत्र पढ़ने का अनुरोध भी किया। वहीं उन्होंने सिक्किम अकादमी की समस्याओं के समाधान का आश्वासन भी दिया।

इस दौरान प्रो. डॉ कविता लामा ने 'पश्चिमी संस्कृति युवाओं पर हावी-अभी का युवा कहां ?' विषय पर अपनी व्याखानमाला प्रस्तुत की। उन्होंने आज की पीढ़ी पर पश्चिमी संस्कृति के दुष्प्रभाव पर बोलते हुए सभी से अपनी संस्कृति की रक्षा हेतु अपनी भाषाई पृष्ठभूमि से संबंधित वाक्यों, शब्दों और अन्य शब्दों का उपयोग शुरू करने का आग्रह किया। वहीं यहां पद्मश्री सानू लामा ने अपने सम्बोधन में सरकार से पूरे राज्य में ऐसे साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष अरुण उप्रेती, पद्मश्री सानू लामा, प्रो. डॉ. कविता लामा, डॉ. शोभाकांति थेगिम ट्रस्ट के अध्यक्ष

डुप छिरिंग लेप्चा, नेपाली साहित्य परिषद के अध्यक्ष रुद्र पौड्याल और मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा को खादा पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले सिक्किम अकादमी के अध्यक्ष एसआर सुब्बा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का समापन सिक्किम अकादमी के सचिव पीएल शर्मा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

# पंचायत चुनाव : पीठासीन व चुनाव अधिकारियों के पहले चरण का प्रशिक्षण आयोजित

**अनुगामिनी नि.सं.**

गेजिंग, 28 सितम्बर । आगामी पंचायत चुनाव के लिए आज गेजिंग कम्युनिटी हॉल में बर्मेक-मार्तम और देन्ताम बीएसी के पीठासीन और चुनाव अधिकारियों के पहले दौर के एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

इसके उद्घाटन अवसर पर गेजिंग जिला कलेक्टर श्रीमती यिशे डी योंग्दा ने सभी पीठासीन एवं चुनाव अधिकारियों से गम्भीरता से अपनी जिम्मेदारी संभालने का आग्रह करते हुए उनसे जिला प्रशासन द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण सत्रों का पूरा लाभ उठाना को कहा।

उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में दो और चरणों में प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन होगा। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षुओं से चुनावी ड्यूटी करने में बहुत गंभीर होने और इसे हमेशा नई चीजें सीखने के अवसर के रूप में लेने का आग्रह किया।

इस अवसर पर गेजिंग एसडीएम संतोष कुमार आले ने प्रस्तुति के माध्यम से पीठासीन एवं चुनाव अधिकारियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया। इसमें प्रतिभागियों को कागजाती कार्यवाही से लेकर ईवीएम को सील करने तक के साथ ही अन्य सभी चुनावी प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। वहीं रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित संयुक्त शिक्षा निदेशक टी. पांजो शेरपा द्वारा प्रशिक्षुओं को ईवीएम संचालन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

इसके अलावा, गेजिंग एसडीएम ने आगामी पंचायत चुनाव से पहले प्रत्येक मतदाता को पूरी तरह से परिचित करने के लिए प्रत्येक ब्लॉक में ईवीएम भी उपलब्ध कराये जाने की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार अगले दो चरणों के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन 29 सितंबर को चोंगरांग और योक्सम बीएसी के लिए और 30 सितंबर को गेजिंग बीएसी के लिए होगा।

# सबसे पहले आरएसएस को बैन करिए : लालू प्रसाद

पटना, 28 सितम्बर (का.सं.)। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के प्रतिबंध लगाए जाने के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

राजद के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से बुधवार को ट्वीट करते हुए लिखा, पीएफआई की तरह जितने भी नफरत और द्वेष फैलाने वाले संगठन हैं, सभी पर प्रतिबंध लगाना चाहिए जिसमें आरएसएस भी शामिल है। सबसे पहले आरएसएस को बैन करिए, ये उससे भी बदतर संगठन है।

उन्होंने आगे लिखा कि आरएसएस पर दो बार पहले भी बैन लग चुका है। सनद रहे, सबसे पहले आरएसएस पर प्रतिबंध लौह पुरुष सरदार पटेल ने लगाया था।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पीएफआई को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के लिए 5 साल के लिए बैन कर दिया है। केंद्र सरकार ने अपने नोटिफिकेशन में कहा है कि वैश्विक आतंकी संगठनों के साथ संबंध और कई आतंकी मामलों में शामिल होने के लिए पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाया गया है।

## डियर साप्ताहिक लॉटरी कोलकाता, पश्चिम बंगाल निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

कोलकाता, पश्चिम बंगाल की श्रीमती ताजमिरा बीबी ने **24.08.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **93G 24224** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज़ क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। "एक महिला होने के नाते, मेरे कई सारे सपने हैं। मैंने कभी यह नहीं सोचा था कि मैं लॉटरी से पुरस्कार राशि के तौर पर एक करोड़ रुपए जीत जाऊँगी। मैं इस विशाल पुरस्कार राशि का उपयोग हमारे परिवार की बेहतरी के लिए करूंगी। यह हमारे लिए एक बड़ी आर्थिक मज़बूती होगी। मैं कुछ पुरस्कार राशि का उपयोग बचत में भी करूंगी।" विजेता ने कहा।

# उद्यम प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए लागू की जा रही हैं योजनाएं : तमाड़िया

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 28 सितम्बर । कृषि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की निर्यात संभावनाओं पर स्थानीय तादोंग स्थित पर्यटन भवन सभागार में एकदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन हुआ। एमएसएमई गंगटोक द्वारा विदेशी व्यापार निदेशालय, कृषि प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैण्डर्ड, फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन तथा मसाला बोर्ड के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम किसान कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष फुर्देन लेप्चा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वाणिज्य व उद्योग आयुक्त एचके शर्मा, संयुक्त एमएसएमई निदेशक एके तमाड़िया के अलावा एमएसएमई एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी, मसाला बोर्ड के सदस्य आदि भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर अपने मुख्य भाषण में वाणिज्य व उद्योग सचिव एके तमाड़िया ने उद्यम प्रोत्साहन एवं विकास से संबंधित समाधान तलाशने हेतु इस आयोजन के लिए विभाग की सराहना करते हुए कहा कि एमएसएमई इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसके अंतर्गत उद्यम प्रतिस्पर्धा बढ़ाने हेतु योजनाओं और कार्यक्रम लागू किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सेमिनार में व्यावसायिक विचारों और सूचनाओं की प्रचूरता से अपने उद्यमों का विस्तार और विविधीकरण के इच्छुक उद्यमियों को लाभ होगा। इसके लिए उन्होंने उद्यमियों से विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने हेतु पोर्टल में नामांकन करने का आग्रह भी किया।

वहीं कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए किसान कल्याण बोर्ड अध्यक्ष फुर्देन लेप्चा ने कहा कि यह सेमिनार पूरी तरह स्थानीय उद्यमियों के जैविक उत्पादों की मार्केटिंग कौशल बढ़ाने पर केंद्रित है। उन्होंने एमएसएमई के तहत विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए इसे राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नए उद्यम स्थापित करने एवं रोजगार अवसर बढ़ाने वाला बताया। उनके अनुसार यह सेमिनार उद्यमियों की क्षमता तथा उनके व्यवसाय की संभावनाओं को बढ़ायेगी। इस दौरान आयोजकों की ओर से फुर्देन लेप्चा और एचके शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा कार्यक्रम में तकनीकी एवं परिचर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया। तकनीकी सत्र में एमएसएमई के बढ़ावे, निर्यात सम्बंधी दस्तावेजों, एमएसएमई नीतियों, एपेडा व मसाला बोर्ड की भूमिकाओं एवं अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।









स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com